epaper.dehatsandesh.com

3 भारत विकास परिषद बहू शाखा ने मनाया स्थापना दिवस और वन महोत्सव

5 ओसाका ने टासन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

8 योगी कैबिनेट का बड़ा निर्णय - अब यूपी के छात्र यूके में ले सकेंगे मास्टर डिग्री

न्यूनतम 25

मौसम जम्मू

अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-195 | जम्मू तवी, शुक्रवार 08 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

किसानों,पशुपालकों, मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए मैं बड़ी से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार:मोदी

नयी दिल्ली, 07 अगस्त । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार में भारत के खिलाफ अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले के खिलाफ गुरुवार को एक कड़ा और स्पष्ट संदेश देते हुए हुए कहा कि भारत देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों जैसे कमजोर वर्ग के लोगों के हितों के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा और वह स्वयं इसके लिए बड़ी से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार हैं।

श्री मोदी प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक भारत रत्न स्वर्गीय डॉ एम एएस स्वामिनाथन के जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में राजधानी में कृषि विज्ञान पर एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। श्री मोदी ने कहा, ' हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों के, पशुपालकों के, और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा, ..और मैं जानता हूं व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।

उन्होंने कहा कि सरकार देश के किसानों , मछुआरों , पशुपालकों की पूरी मदद के लिए पूरी तरह तैयार है और किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने, किसानों की आय के नए स्रोत बनाने, इन लक्ष्यों पर सरकार लगातार काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा , ' डॉ .स्वामीनाथन ने हमें सिखाया था कि खेती सिर्फ फसल की नहीं होती, खेती लोगों की जिंदगी होती है। खेत से जुड़े हर इंसान की गरिमा,

हर समुदाय की खुशहाली और प्रकृति की सुरक्षा, यही हमारी सरकार की कृषि नीति की ताकत है। हमें विज्ञान और समाज को एक धागे में जोड़ना है, छोटे किसान के हितों को सर्वोपरि रखना है, और खेतों में काम करने वाली महिलाओं को सशक्त करना है, सशक्त करना है।' श्री मोदी ने इस अवसर पर खाद्यान्न को जीवन तथा विश्व शांति का आधार बताया। उन्होंने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों से पोषण सुरक्षा के लिए काम करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में हर संभव योगदान करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि वैज्ञानिकों को अब देश की पोषण सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन से कृषि के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों और आनाज उत्पादन बढ़ाने के साथ धरती की रक्षा के उपायों पर विशेष ध्यान देना है।

श्री मोदी ने कहा, ' डॉ. स्वामीनाथन से प्रेरणा लेते हुए, अब देश के वैज्ञानिकों के पास एक बार फिर इतिहास रचने का मौका है। पिछली पीढ़ी के वैज्ञानिकों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। अब पोषण सुरक्षा पर फोकस करने की आवश्यकता है। हमें बायो-फोर्टिफाइड और न्यूट्रीशन से भरपूर फसलों को व्यापक स्तर पर बढ़ाना होगा, ताकि लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो। रसायनों का उपयोग कम हो, नैचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती) को बढ़ावा मिले, इसके लिए हमें अधिक तत्परता दिखानी होगी।

श्री मोदी ने कहा कि हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावित न होने वाली फसलों की ज्यादा से ज्यादा किस्मों को विकसित करना होगा। सूखा और ऊष्णाता में भी फलने फूलने में समर्थ और में भी तैयार हो सकने वाली फसलों पर ध्यान देना होगा। फसल चक्र कैसे बदला जाए, किस मिट्टी के लिए क्या उपयुक्त है, उस पर अधिक अनुसंधान होने चाहिए। इसके साथ ही, हमें सस्ते मृदा परीक्षण उपायों और भू ऊर्वरता प्रबंधन के तरीके, उसको भी विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों और तकनीशयनों से सौर ऊर्जा चालित सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के विकास की दिशा में और ज्यादा काम करने । ड्रिप सिस्टम और प्रिसिशन इरिगेशन ज्यादा व्यापक और असरदार बनाने , कृषि क्षेत्र के लिए सैटेलाइट डेटा, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग को जोड़ने की संभावनाओं को तलाशने का भी आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा खेती की समस्याओं के नये-नये समाधान निकालने में जुटे हैं।

जम्मू-कश्मीर को बिना किसी देरी के राज्य का दर्जा मिलना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर,7 अगस्त। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए क्योंकि यह उन लोगों का अधिकार है जो इसकी बहाली का इंतज़ार कर रहे हैं। गुरेज़ में राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले साल अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य का दर्जा बहाल करने का ज़िक्र किया था।

उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर का अधिकार है और इसे बिना किसी देरी के दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास महोत्सव के आयोजन के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को खुले तौर पर आयोजित करना और पूरे उत्साह के साथ मनाना ज़रूरी है ताकि चुनौतियों के बावजूद अन्य लोग इस क्षेत्र की

सांस्कृतिक जीवंतता को देख सकें। सीमा पर्यटन के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि शांति ज़रूरी है लेकिन कश्मीर और जम्मू में सीमा पर्यटन को बेहतर बनाने की योजना है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती पर्यटन बेरोज़गारी कम करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में, खासकर दूरदराज के इलाकों में, एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है।

राजदान दर्रे पर गुरेज तक सुरंग निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग पर उन्होंने कहा कि लगभग 10 किलोमीटर लंबी सुरंग संभव होगी और इसका निर्माण किया जाएग।।

गुरेज के सुरम्य सीमावर्ती गाँव चोरवान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव गुरेज-2025 के समापन समारोह में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने निवासियों को आश्वासन दिया कि गुरेज उनकी सरकार की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है। उन्होंने गुरेज के लोगों के शांतिप्रिय स्वभाव की सराहना की और चुनौतीपूर्ण समय में भी शांति के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 卐गुरेज हमेशा से सद्भाव का प्रतीक रहा है। मेरी सरकार इस भावना को पहचानती है और यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है कि यह क्षेत्र सभी क्षेत्रों में प्रगति करे।卐

बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि गुरेज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़े रखने के लिए मोबाइल नेटवर्क कवरेज प्रदान करने के प्रयास जारी हैं।

गुरेज़ घाटी की पर्यटन संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने निवासियों से गुरेज को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, गुरेज़ अपार प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। हम इस क्षेत्र का विकास और प्रगति चाहते हैं, लेकिन साथ ही इसकी विरासत, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा भी ज़रूरी है।

खबर संक्षेप

व्हाइट नाइट कोर कमांडर ने सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की

डोडा (जम्मू), 7 अगस्त सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को डोडा और किश्तवाड़ के पहाड़ी जिलों की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र की प्रमुख चौकियों पर खतरे का आकलन किया।

सेना की व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), लेफ्टिनेंट जनरल पी. के. मिश्रा, स्वतंत्रता दिवस से पहले सैनिकों की परिचालन तैयारियों को बढ़ाने के लिए जम्मू क्षेत्र के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। कोर ने एक्स को बताया, व्हाइट नाइट कोर के जीओसी ने काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (डेल्टा) के जीओसी के साथ मिलकर डोडा और किश्तवाड़ में एक परिचालन समीक्षा की। उन्हें आंतरिक सुरक्षा स्थिति, खतरे के आकलन और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए बल की तैनाती के बारे में जानकारी दी गई। इसमें आगे कहा गया है कि क्षेत्र पर प्रभुत्व बनाए रखने, निगरानी बढ़ाने और उभरते खतरों के लिए समन्वित और सक्रिय प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कोर कमांडर ने इससे पहले बुधवार को सीमावर्ती पुंछ ज़िले में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी, जिससे दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए ऑपरेशनल प्रभुत्व और एकीकृत ख़तरे से निपटने पर ज़ोर दिया गया।

जम्मू जिले के विभिन्न पुलिस थानों में कई एसएचओ के स्थानांतरण और नियुक्ति के आदेश

जम्मू, 7 अगस्त । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जम्मू, जोगिंदर सिंह ने जम्मू जिले के विभिन्न पुलिस थानों में कई स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) के स्थानांतरण और नियुक्ति के आदेश दिए हैं।

आधिकारिक आदेश के अनुसार इंस्पेक्टर अरुण प्रकाश को एसएचओ बख्शी नगर जबकि इंस्पेक्टर आज़ाद मन्हास को एसएचओ मीरां साहिब नियुक्त किया गया है।

इंस्पेक्टर जय पॉल शर्मा अब एसएचओ गांधी नगर और इंस्पेक्टर राकेश सिंह को एसएचओ बिश्नाह नियुक्त किया गया है।

इंस्पेक्टर सुशील चौधरी को पुलिस स्टेशन त्रिकुटा नगर का प्रभार दिया गया है और इंस्पेक्टर राजेश जसरोटिया अब एसएचओ अखनूर और इंस्पेक्टर राकेश मन्ट्री को एसएचओ पक्का डंगा नियुक्त किया गया है।

इसी तरह इंस्पेक्टर निशांत गुप्ता को एसएचओ नवाबाद, इंस्पेक्टर दीपक पठानिया को

एसएचओ छन्नी और इंस्पेक्टर विकास डोगरा को एसएचओ झज्जर कोटली नियुक्त किया गया है।

इस बीच इंस्पेक्टर आई.पी. सिंह को एसएचओ बस स्टैंड और इंस्पेक्टर शक्ति देवी को एसएचओ सिटी नियुक्त किया गया है।

मुख्य सचिव ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मिशन युवा की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर 07 अगस्त। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में शुरू किए गए युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम, मिशन युवा की व्यापक समीक्षा की। इस अभियान का उद्देश्य इस क्षेत्र को उद्यमों और समग्र रोज़गार के एक संपन्न केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

इस समीक्षा बैठक में सचिव श्रम एवं रोजगार, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा, अतिरिक्त मुख्य सचिव योजना, प्रमुख सचिव वित्त, निदेशक आईआईएम, प्रबंध निदेशक जम्मू-कश्मीर बैंक, सचिव स्कूल शिक्षा, महानिदेशक बजट और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

मुख्य सचिव ने मिशन युवा के प्राथमिक उद्देश्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया, जिसका उद्देश्य उद्यम सृजन के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर पैदा करना और यहाँ अंतर-क्षेत्रीय व्यावसायिक सहायता पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।

उन्होंने राज्य सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने हेतु मौजूदा व्यवसायों को बढ़ाने और नव-नवप्रवर्तनशील उद्यमों के साथ एक स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने उपायुक्तों से परिणामों की समय-समय पर समीक्षा करने का आग्रह किया ताकि मिशन अपने उद्देश्यों को सुचारू रूप से प्राप्त कर सके। सचिव, श्रम एवं रोजगार, कुमार राजीव रंजन ने अपनी प्रस्तुति में इस योजना का अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने बैठक में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में 1,37,000 से अधिक नए उद्यम स्थापित करना और 4,25,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने आगे बताया कि अब तक मिशन को 31,411 ऋण आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 29,460 नैनो-उद्यमों के लिए, 1,502 नए एमएसएमई के लिए और 443 मौजूदा एमएसएमई के लिए हैं।

सीआरपीएफ वाहन नाले में गिरा, तीन जवानों की मौत, 15 घायल

जम्मू, 07 अगस्त। जम्मू संभाग के उधमपुर जिले में गुरुवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन सड़क से फिसलकर नाले में गिर गया। इस कारण तीन जवानों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना सुबह करीब 10:30 बजे कदवा इलाके

में हुई, जब जवान बसंत गढ़ से एक ऑपरेशन से लौट रहे थे। सीआरपीएफ की 187वीं बटालियन के वाहन में 23 जवान सवार थे। दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 अन्य घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, जहां एक और जवान ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या तीन हो गई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कंदवा-बसंतगढ़ क्षेत्र में सीआरपीएफ के एक वाहन के साथ हुई सड़क दुर्घटना की खबर सुनकर व्यथित हूं। उधमपुर उपायुक्त सलोनी राय व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नज़र रख रही हैं। बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिए गए हैं। स्थानीय लोग स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए हैं। हर संभव मदद सुनिश्चित की जा रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नयी दिल्ली, 07 अगस्त । चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं। आयोग ने कहा है कि इस चुनाव प्रक्रिया के संबंध में किसी भी तरह की पुछताछ राज्यसभा महासचिव के कार्यालय (कमरा नं. राज्यसभा 08, ग्राउंड फ्लोर, संसद भवन) मे 3.30 से 4.30 के बीच सोमवार से शनिवार को की जा सकती है (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर)।

नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा।

किश्तवाड़ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार बरामद

किश्तवाड़, 07 अगस्त । सुरक्षा बलों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करके एक एके-47 राइफल और गोला-बारूद बरामद किया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी चटरू इलाके के बेरीघोथ-दुग्डा इलाके से एक नियमित तलाशी अभियान के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ करने के बाद हुई।

उन्होंने बताया कि एक एके-47, हथियार की एक मैगजीन, कुछ पाकिस्तानी कारतूसों सहित 30 कारतूस और एक दूरबीन बरामद की गई है।

अखल वन क्षेत्र में आतंकवाद रोधी अभियान 7वें दिन भी जारी

कुलगाम, 7 अगस्त । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले के अखल वन क्षेत्र में आतंकवाद-रोधी अभियान गुरुवार को सातवें दिन भी जारी है। इसी बीच सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने दक्षिण कश्मीर के ज़िलों में आतंकवाद-रोधी ग्रिड की समीक्षा की।

कुलगाम जिले के अखल वन क्षेत्र में सुरक्षा अभियान पिछले हफ़्ते शुरू हुआ था जब संयुक्त बलों ने आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी की खुफ़िया जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। शुरुआती गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया था। शुरुआती गोलीबारी में सेना के 4 जवान घायल हो गए थे और उन जवानों का इलाज जारी है।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि ऑपरेशन अखल जारी है, रातभर भारी गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं। यह ऑपरेशन आने वाले दिनों में भी जारी रहने की उम्मीद है और यह कश्मीर में दशकों में सबसे लंबा हो सकता है।

इस बीच उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने देवसर का दौरा किया और दक्षिण कश्मीर में आतंकवाद-रोधी ग्रिड की समीक्षा की जहाँ उन्हें सुरक्षा स्थिति, परिचालन तैयारियों और चल रहे अभियानों की जानकारी दी गई।

छिपे हुए आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए सेना ने रुद्र हेलीकॉप्टर, ड्रोन और पैरा कमांडो तैनात किए हैं। सुरक्षा बल अंदरूनी इलाकों में आतंकवादियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रहे हैं जबकि सेना जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा की सुरक्षा में पूरी तरह सतर्क है।

अवैध खनन के आरोप में 5 डंपरों सहित 6 वाहन किए जब्त

सांबा, 7 अगस्त । अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने घगवाल, विजयपुर और सांबा पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में 5 डंपरों सहित 6 वाहन जब्त किए हैं जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन एवं खनन के लिए किया जा रहा था।

एसएचओ थाना घगवाल, एसएचओ थाना विजयपुर, थाना सांबा के रख अंब टाल्ली और मानसर पुलिस चौकी के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21जे-9085, जेके21के-9917, जेके20बी-3146, जेके02सीडब्ल्यू-5013, जेके21जे-8689 वाले पांच डंपर और पंजीकरण संख्या जेके21ई-3277 वाली एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की है जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन एवं खनन के लिए किया जा रहा था।

उपर्युक्त वाहनों को सांबा पुलिस द्वारा जब्त कर

लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग सांबा को सौंप दिया गया है।

राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तारीख लगभग तय : डोभाल

मास्को/नई दिल्ली 07 अगस्त । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को मास्को में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की तारीखें लगभग तय हैं और दोनों देशों के नेतृत्व के बीच वार्षिक शिखर बैठकें द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ रही हैं।

श्री डोभाल ने मास्को में रूसी सुरक्षा परिषद के प्रमुख सर्गेई शोइगु के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा, हम रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के बारे में जानकर बहुत उत्साहित और प्रसन्न हैं। मुझे लगता

हमारे संबंधों को एक नई दिशा दी है।

श्री शोइगु की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए श्री डोभाल ने कहा, आपने बिल्कुल सही कहा है कि हमारे बीच एक बहुत ही विशेष, दीर्घकालिक संबंध है, और हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हमारे उच्च-स्तरीय संबंध हैं, और इन संबंधों ने हमारे संबंधों में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत को दिए गए समर्थन के लिए रूसी राष्ट्रपति को विशेष रूप से धन्यवाद देने के लिए कहा है।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

मुक्ता गिरी जैन सिद्ध क्षेत्र

जहां आज भी होती है केसर-चंदन की वर्षा

दिगंबर जैनियों का सिद्धक्षेत्र भारत के मध्य में, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है मुक्ता गिरी। मुक्ता गिरी मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आता है। सतपुड़ा पर्वत की श्रृंखला में मन मोहनेवाले घने हरे-भरे वृक्षों के बीच यह क्षेत्र बसा हुआ है। जहां से साढ़े तीन करोड़ मुनिराज मोक्ष गए हैं। इसीलिए कहा जाता है -

अचलापूर की दिशा ईशान तहां मेंढागिरी नाम प्रधान।

साढ़े तीन कोटी मुनीराय तिनके चरण नमु चितलाय।।

जहां 250 फुट की ऊंचाई से जलधारा गिरती है। जिससे जलप्रपात निर्मित हुआ है। निसर्ग के हरे-भरे उन दृश्यों एवं पहाड़ों को देखकर हर मन प्रफुल्लित हो जाता है। इस स्थान को मुक्तागिरी के साथ-साथ मेंढागिरी भी कहा जाता है।

मुक्ता गिरी का इतिहास : एलिचपूर यानी अचलपुर में स्थित मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र को स्व. दानवीर नत्थुसा पासुसा कळमकर ने अपने साथी स्व. रायसाहेब रूखबसंगई तथा स्व. गेंदालालजी हीरालालजी बड़जात्या के साथ मिलकर अंग्रेजों के जमाने में खापर्डे के मालगुजारी से सन् 1928 में यह मुक्तागिरी पहाड़ मंदिरों के साथ खरीदा था। इस मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र का इतिहास काफी रोमहर्षक है।

कहा जाता है कि उस समय शिकार के लिए पहाड़ पर जूते-चप्पल पहन कर जाते थे और जानवरों का शिकार करते थे। इसी वजह से, पवित्रता को ध्यान में रखते हुए यह पहाड़ खरीदा गया।

निर्वाण कांड में उल्लेख है कि इस

क्षेत्र पर दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का समवशरण आया था। इसीलिए कहा जाता है कि मुक्ता गिरी पर मुक्ता बरसे। शीतलनाथ का डेरा। ऐसा उस वक्त मोतियों की वर्षा होने से इसे मुक्तागिरी कहा जाता है।

एक हजार वर्ष पूर्व मंदिर क्रमांक दस के पास ध्यान मग्न मुनिराज के सामने एक मेंढा पहाड़ की चोटी से गिरा। मुनिराज ने उसके कान में णमोकार मंत्र का उच्चारण किया। वह मेंढा मृत्यु के बाद स्वर्ग में देवगति प्राप्त होते ही मुनि महाराज के दर्शन को आया। तब से हर अष्टमी और चौदस को यहां केसर-चंदन की वर्षा होती है। इसी समय से इसे मेंढागिरी भी कहा जाता है।

जानिए धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा

जहां पहाड़ों से बहती जल की धारा

कटनी-इलाहाबाद रेल मार्ग में सतना से 70 किलोमीटर दूर धारकुंडी में प्रकृति और अध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। सतपुड़ा के पठार की विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित धारकुंडी में प्रकृति की अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पर्वत की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगल के बीच महाराज सच्चिदानंद जी के परमहंस आश्रम ने यहां पर्यटन और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरो कर रख दिया है। यहां बहुमूल्य औषधियां और जीवाश्म भी पाए जाते हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर और दक्ष का प्रसिद्ध संवाद यहीं के एक कुंड में हुआ था जिसे अघमर्षण कुंड कहा जाता है। यह कुंड भूतल से करीब 100 मीटर नीचे है।

धारकुंडी मूलतः दो शब्दों से मिलकर बना है। धार तथा कुंडी यानी जल की धारा और जलकुंड। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दो पर्वत की संधियों से प्रस्फुटित होकर प्रवाहित होने वाली जल की निर्मल धारा यहां एक प्राकृतिक जलकुंड का निर्माण करती है।

समुद्र तल से 1050 फुट ऊपर स्थित धारकुंडी में प्रकृति का स्वर्गिक सौंदर्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत उपलब्ध कराता है। यहां जनवरी में जहां न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री रहता है वहीं अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहता है। जून माह में न्यूनतम 20 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहता है।

योगिराज स्वामी परमानंद जी परमहंस जी के सान्निध्य में सच्चिदानंद जी ने चित्रकूट के अनुसूया आश्रम में करीब 11 वर्ष साधना की। इसके बाद सच्चिदानंद जी महाराज 1956 में यहां आए और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को आश्रम के माध्यम से एक सार्थक रूप दिया। उनके आश्रम में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की मुफ्त में उत्तम व्यवस्था है।

विशेष है कि महाराज जी अपने खेतों में उपजे अन्न से ही अपने आगंतुकों को भोजन कराते हैं। भागम-भाग भरे जीवन के बीच कुछ दिन यहां आकर व्यक्ति को अध्यात्म और शांति का अनुपम अनुभव हो सकता है।

प्रकृति प्रेमी आध्यात्मिक लोग मध्य प्रदेश के सतना से यहां आ सकते हैं। सतना से प्रतिदिन एक बस यहां जाती है। इसके अलावा सतना के बस स्टैंड में स्थित परमहंस आश्रम की शाखा से भी यहां जाने के लिए जानकारी मिल सकती है। घनघोर जंगल, पर्वतों और झरनों के बीच स्थित परमहंस आश्रम में साधना के लिए योगी पुरुषों का आवागमन होते रहता है।

यहां आकर जीवन ठहर सा जाता है। मन को सुकून मिलता है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का तो कोई जवाब नहीं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है यहां का परमहंस आश्रम। पूज्य सच्चिदानंद जी के अध्यात्म ने धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा को दैवीय बना दिया है। जिसका अनुभव प्रकृति प्रेमी व्यक्तियों को जरूर लेना चाहिए।

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

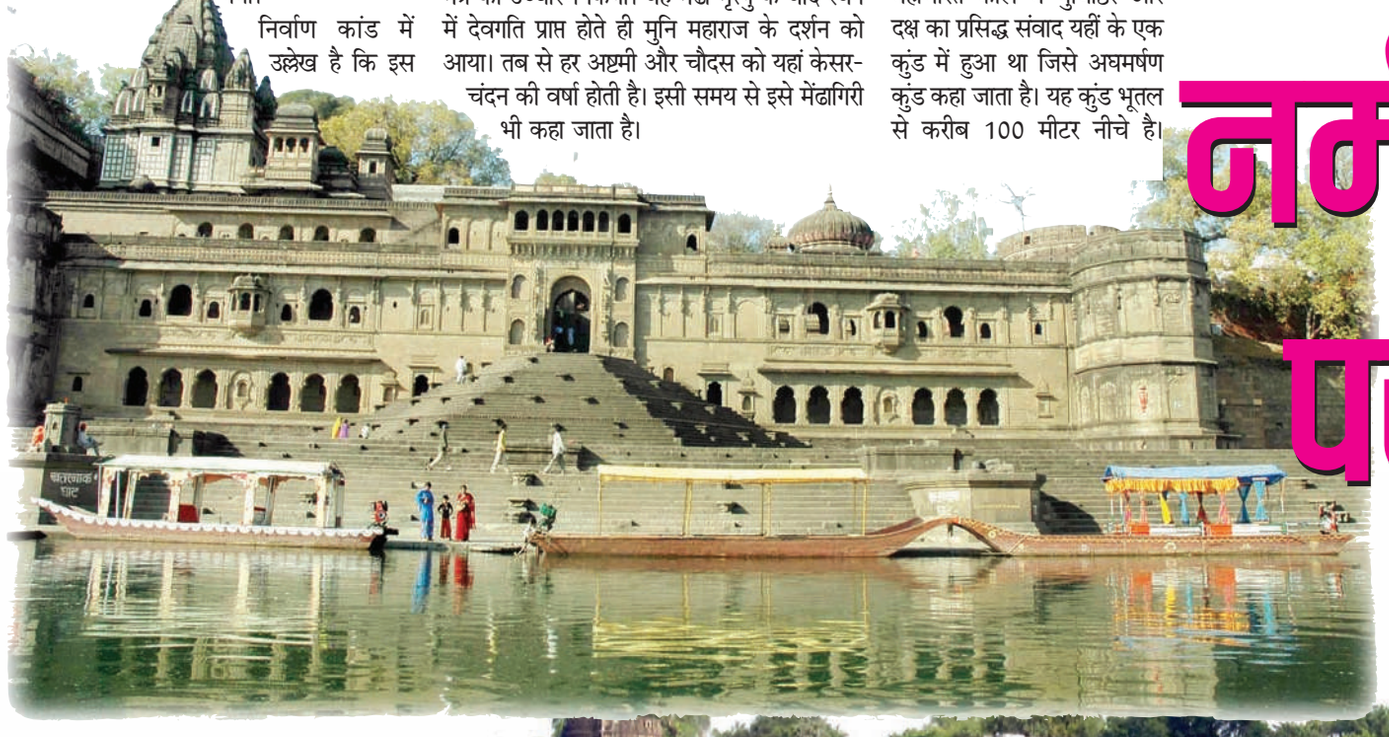

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं।

ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं।

इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं।

सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णतः घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं।

पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

किसानों की समस्याओं को लेकर भारत प्रिये ने उठाई आवाज, कृषि निदेशक ने दिया आश्वासन

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। सीमा क्षेत्र के किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ किसान नेता भारत प्रिये ने कृषि निदेशक अनिल गुप्ता से भेंट की और किसानों की जमीनी समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर सीमा क्षेत्र के किसान भी उनके साथ उपस्थित थे। भारत प्रिये ने निदेशक को कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के किसान देश की तरक्की में अहम योगदान देते हैं, लेकिन सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक सही ढंग से नहीं पहुंचता। उन्होंने बताया कि वह स्वयं एक किसान हैं और कृषि समुदाय की परेशानियों से भलीभांति परिचित हैं।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक वर्षा और कहीं-कहीं पानी की कमी के चलते किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और वे फसल की लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। ऐसे में सरकार को किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए ताकि वे दोबारा खेती के लिए तैयार हो सकें। भारत प्रिये ने विशेष रूप से सिंचाई व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि नहरें ही किसानों का मुख्य साधन हैं, लेकिन नहरों की हालत बेहद खराब है। उन्होंने मांग की कि सरकार को नहरों की सफाई और मरम्मत का काम प्राथमिकता के आधार पर करवाना चाहिए। किसान नेता की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कृषि निदेशक अनिल गुप्ता ने आश्वासन दिया कि किसानों की सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि किसानों को राहत मिल सके

भारत विकास परिषद बहू शाखा ने मनाया स्थापना दिवस और वन महोत्सव

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। त्रिकुटा नगर स्थित बहू शाखा भारत विकास परिषद ने शांति पार्क में स्थापना दिवस और वन महोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष विजय अरोड़ा ने की। एक पेड़ मां के नाम के नारे के साथ पौधारोपण की शुरुआत विभाग संघ चालक सुरिंदर मोहन, बीवीपी उत्तर के क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव अरुण शर्मा, प्रांतीय पर्यावरण संयोजक गोपाल गुप्ता, सेवा क्षेत्रीय सचिव प्रो. भारत भूषण शर्मा, प्रांतीय संगठन सचिव राजेश गुप्ता, प्रांतीय सेवा संयोजक गुरमीत सिंह और भाजपा उपाध्यक्ष (जम्मू-कश्मीर) रेखा महाजन ने की।

विजय अरोड़ा ने परिषद के पांच मूल सिद्धांत संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण का उल्लेख करते हुए इसके उद्देश्य और डॉ. सूरज प्रकाश द्वारा 1963 में स्थापित परिषद की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ताओं ने पौधों की पर्यावरणीय, औषधीय और आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए पेड़-पौधों को संरक्षित करने और अधिक से अधिक लगाने का संदेश दिया। इस अवसर पर नीम, सहजन, आंवला, जामुन, अमरूद सहित फूलों और छायादार पौधों का रोपण किया गया।

कार्यक्रम में कई गणमान्य लोगों व सदस्यों ने भाग लिया। समन्वयक डी.पी. अरोड़ा ने सभी से विशेष अवसरों पर पौधारोपण की अपील करते हुए कार्यक्रम में सहयोग देने वालों का धन्यवाद किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जम्मू विश्वविद्यालय में टाइगर डिवीजन ने आयोजित किया आउटरीच प्रोग्राम

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। देशभक्ति, राष्ट्रीय उद्देश्य और जागरूक नागरिकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय सेना की टाइगर डिवीजन ने जम्मू विश्वविद्यालय में एक आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जनरल जोरावर सिंह ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं और सेना के बीच संवाद कायम करना और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसी सैन्य कार्रवाइयों की जानकारी देकर राष्ट्रीय एकता और रणनीतिक चेतना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में टाइगर गनर ब्रिगेड के कमांडर ने ऑपरेशन सिंदूर की रोमांचक जानकारी दी, जो पहलगाम हमले के बाद किया गया एक सटीक आतंकवाद-रोधी अभियान था। उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में स्थित आतंकी लॉन्चपैड और ट्रेनिंग कैंपों को निशाना बनाकर पूरी कार्रवाई को बिना किसी नागरिक हानि के सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह अभियान भारत की संप्रभुता की रक्षा और शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो सटीक खुफिया जानकारी, कूटनीतिक समन्वय और रणनीतिक संयम के साथ पूरा हुआ। अपने भाषण में कमांडर ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति, विशेष रूप से रणनीतिक संचार की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से सूचना योद्धा बनने का आह्वान करते हुए झूठे प्रचार और फर्जी खबरों के खिलाफ सत्य आधारित जानकारी साझा करने की अपील की। कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति और प्रभाव पर विस्तृत प्रस्तुति, युवाओं को राष्ट्रीय जिम्मेदारियों के लिए प्रेरित करना, डिजिटल युग में गलत सूचना से लड़ने के उपाय, जागरूक नागरिक भागीदारी के लिए सूचना आधारित समर्थन की अपील शामिल रहा।

कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस 9 अगस्त से राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू करेगा

कारगिल , 7 अगस्त (हि.स.)। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने लद्दाख में छठी अनुसूची के कार्यान्वयन और क्षेत्र को राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी पुरानी मांगों को लेकर 9 अगस्त से तीन दिवसीय भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केडीए के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक असगर अली करबलाई ने कहा कि इस मुद्दे पर सार्थक बातचीत शुरू होने में लगातार हो रही देरी से लद्दाख के लोग लगातार निराश हो रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली के कई उच्च पदस्थ अधिकारी और राजनीतिक नेता लद्दाख का दौरा कर चुके हैं लेकिन उनमें से किसी ने भी छठी अनुसूची या राज्य के दर्जे की मांग पर बात नहीं की। यह चुप्पी अस्वीकार्य है करबलाई ने कहा।

उन्होंने आगे घोषणा की कि कारगिल भर के लोग 9 अगस्त को कारगिल चौक पर इकट्ठा होंगे और अपनी मांगों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए तीन दिवसीय भूख हड़ताल शुरू करेंगे। हम अब इस देरी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। लद्दाख के लोगों को दिए गए आश्वासनों पर अमल होना चाहिए उन्होंने ज़ोर देकर कहा।

कश्मीरी उद्यमी यूएई और उसके बाहर अवसरों का लाभ उठा सकते हैं : सुधाकरन

श्रीनगर, 7 अगस्त (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर उद्यमिता विकास संस्थान ने आज स्टार्टअप ट्रांसेंड यूएई में स्टार्टअप्स के लिए अवसरों का विस्तार शीर्षक से एक ऐतिहासिक ओपन हाउस का आयोजन किया जिसका उद्देश्य स्थानीय स्टार्टअप्स को मध्य पूर्व के तेज़ी से विकसित हो रहे उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ना था।

पंपोर के सेम्पोरा स्थित जेकेईडीआई के मुख्य परिसर में आयोजित इस सत्र में स्टार्टअप मिडिल ईस्ट के सीईओ सिबी सुधाकरन ने एक आकर्षक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने इस बारे में गहन जानकारी दी कि कैसे कश्मीरी उद्यमी यूएई और उसके बाहर अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव और जेकेईडीआई के निदेशक खालिद जहाँगीर ने जम्मू-कश्मीर की उद्यमशीलता और व्यापार की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आज का गतिशील परिवेश स्थानीय उद्यमियों से यह अपेक्षा रखता है कि वे अपने व्यवसायों को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए सीमा-पार सहयोग की संभावनाओं को तलाशें। मध्य पूर्व विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात, क्षेत्र-विशिष्ट प्लेटफ़ॉर्म, रणनीतिक साझेदार और निवेशक नेटवर्क प्रदान करता है जो जम्मू-कश्मीर के स्टार्टअप्स को स्केलेबल, तकनीक-संचालित, भविष्य के लिए तैयार उद्यम बनाने में मदद कर सकते हैं । उन्होंने वैश्विक संपर्क और मार्गदर्शन प्रदान करने के प्रति जेकेईडीआई की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया

निफ्ट श्रीनगर ने 11वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया; स्थानीय बुनकरों का सम्मान किया

श्रीनगर, 7 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), श्रीनगर ने आज 11वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक जीवंत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रम के साथ मनाया, जो क्षेत्र के बुनकरों के सम्मान और भारतीय हथकरघा की विरासत को बढ़ावा देने के लिए समर्पित था। इस अवसर पर उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शांतमनु मुख्य अतिथि थे, जबकि बडगाम के उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट विशिष्ट अतिथि थे। अपने संबोधन में शांतमनु ने युवा डिज़ाइन प्रतिभाओं को भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत से जोड़ने में निफ्ट श्रीनगर की सराहनीय भूमिका की सराहना की।

मार्ग की खस्ता हालत से परेशान लोगों व दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

सांबा, 7 अगस्त (हि.स.)। उप जिला घगवाल के सीमावर्ती क्षेत्र राजपुरा को जाने वाले मार्ग के नहीं बनने से लोगों को भारी परेशानियों से दो चार होना पड़ रहा है। इससे गुस्साए लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आलम यह है कि मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे बन चुके हैं जिन पर वाहन चलाना खतरे से खाली नहीं है। लोगों की बार बार मांग उपरांत भी शासन व प्रशासन गहरी नींद में है। स्थानीय लोगों ने विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार सीमावर्ती क्षेत्र के गावों के मार्ग को शहरों से जोड़ने की व कच्चे रास्तों को पक्का करने की बहुत सी घोषणाएं करती है जिन्हें अमली जामा पहनाने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग विफल साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत के लिए प्रति वर्ष लाखों रुपये का बजट विभागों में आता है। सड़कों की हालत को देखकर ऐसा लगता है यह बजट मात्र फाइलों में ही पूरा हो रहा है तथा सरकार का गड्ढा मुक्त सड़कों का अभियान दम तोड़ता हुआ नजर आ रहा है।

भाजपा ने कच्ची छावनी में जन दरबार लगाकर जनता की समस्याएं सुनी

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। जनता से सीधा संवाद और सुशासन को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू ईस्ट के विधायक युधवीर सेठी ने कच्ची छावनी स्थित पं. प्रेमनाथ डोगरा भवन में जन दरबार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, मोहल्ला वेलफेयर एसोसिएशन, बाजार संघ, युवा समूह और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। जन दरबार में लोगों ने स्वच्छता, जल आपूर्ति, ड्रेनेज की सफाई, अनियोजित बिजली कटौती, लंबित पेंशन मामलों जैसी प्रमुख समस्याएं उठाईं। युधवीर सेठी ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मोबाइल फोन पर मौके पर ही निर्देश जारी करते हुए समस्याओं को समयबद्ध तरीके से हल करने को कहा।

भाजपा नेता अरुण सेठी भी इस जन संवाद में सक्रिय रूप से शामिल रहे। युधवीर सेठी ने मीडिया से बातचीत में कहा, यह जन दरबार महज औपचारिकता नहीं, बल्कि लोगों की सीधी भागीदारी का मंच है। हर शिकायत को दस्तावेजीकृत किया जा रहा है और समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों और आम जनता के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं और योजनाओं की बेहतर प्लानिंग और क्रियान्वयन में सहायक होते हैं।

विकसित भारत विषय पर इंट्रा-कॉलेज सेमिनार आयोजित

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में वीरवार को विकसित भारत 2047 में जम्मू-कश्मीर के युवाओं की भूमिका विषय पर एक इंट्रा-कॉलेज सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रमेश कुमार गुप्ता के दूरदर्शी मार्गदर्शन में और डॉ. रेविका अरोड़ा, संयोजक - विकसित भारत समिति, की देखरेख में आयोजित किया गया। सेमिनार में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों से यह सिद्ध किया कि युवा पीढ़ी भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए कितनी सजग और प्रतिबद्ध है।

उधमपुर उपायुक्त ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मामलों की प्रगति की समीक्षा की

उधमपुर, 7 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत किसानों के बीमा दावों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने और अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए उधमपुर उपायुक्त सलोनी राय ने योजना के तहत लंबित मामलों के निपटारे में प्रगति

का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी लंबित पीएमएफबीवाई दावों की बैंकवार समीक्षा की जिसमें देरी और बाधाओं का आकलन किया गया। उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा और फसल नुकसान के लिए उन्हें समय पर वित्तीय सहायता प्राप्त हो यह सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाने के महत्व पर बल दिया। सभी संबंधित बैंकों और विभागों के लिए लंबित मामलों के निपटारे के लिए 14 अगस्त की समय सीमा निर्धारित की गई।

जम्मू में स्ट्रीट लाइट्स की खराबी पर जताया विरोध

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान (जम्मू-कश्मीर इकाई) के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर शहर में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट्स की समस्या को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि बाजारों, रिहायशी इलाकों और विशेषकर मंदिरों के पास स्ट्रीट लाइट्स काम नहीं कर रहीं, जिससे आगामी राखी और जन्माष्टमी जैसे त्योहारों से पहले लोगों में असुरक्षा और भय का माहौल बन रहा है। केसरी ने कच्छी छावनी, रानी पार्क, रिहाड़ी, और सचिवालय रोड जैसे क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये इलाके रात में अंधेरे में डूब जाते हैं, जिससे आमजन की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को तत्काल दुरुस्त किया जाए और मंदिरों के आसपास विशेष ध्यान दिया जाए ताकि त्योहारों के दौरान श्रद्धालु बिना भय के शामिल हो सकें।

गालूथी में सेना ने चलाया स्वच्छता अभियान, स्थानीय लोगों ने की सराहना

जम्मू, 7 अगस्त (हि.स.)। भारतीय सेना ने अपने सामुदायिक कल्याण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के संकल्प के तहत गालूथी, जिला राजौरी में एक विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना था। इस अभियान में सेना के जवानों, स्थानीय युवाओं, विद्यालय के बच्चों और समुदाय के अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने मिलकर सार्वजनिक स्थलों, सड़कों के किनारों और स्कूल परिसर की सफाई की तथा कचरे को हटाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में योगदान दिया।

अभियान के दौरान प्रतिभागियों को स्वच्छता के महत्व, सही कचरा निपटान और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के तरीकों पर जागरूक किया गया।

भारतीय सेना के इस प्रयास की स्थानीय जनता ने सराहना की और इसे अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने वाला कदम बताया। सेना ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह केवल सुरक्षा की गारंटी नहीं देती, बल्कि समाज के सामाजिक और पर्यावरणीय उत्थान में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। भारतीय सेना ने यह संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी प्रयास जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र के स्वास्थ्य और विकास में सतत योगदान दिया जा सके

मेगा राखी समारोह आयोजित, छात्रों ने केसरिया सफेद और हरे रंग की राखियाँ हाथ से बनाईं

कठुआ 07 अगस्त (हि.स.)। देशव्यापी हर घर तिरंगा 2025 अभियान के अनुरूप राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी परोल में बड़े उत्साह के साथ एक मेगा राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग की राखियाँ हाथ से बनाकर राष्ट्रीय एकता और गौरव के विषयों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य जतिंदर सेठी के कुशल नेतृत्व में और मुख्य शिक्षा कार्यालय कठुआ द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में नगरी क्लस्टर के प्राथमिक, मध्य और उच्च विद्यालयों सहित सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ राजीव अबरोल उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य और स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय एकता और गौरव के विषयों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। छात्रों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग की राखियाँ हाथ से बनाईं, जिनके बीच में एक आकर्षक अशोक चक्र बना था। इन राखियों को ब्रह्मोस मिसाइल जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के बड़े प्रतीकात्मक मॉडलों पर कलात्मक ढंग से सजाया गया था, जो नवाचार और राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति श्रद्धा, दोनों को दर्शाता है।

एक हार्दिक भावना के रूप में, ये राखियाँ भारतीय सैनिकों और पुलिसकर्मियों को भेजी जाएँगी, जिनमें छात्र समुदाय की ओर से प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का संदेश दिया जाएगा।

आईआईटी बॉम्बे ने शैलेंद्र कुमार को राष्ट्रीय भू-स्थानिक नेतृत्व पुरस्कार 2025 से किया सम्मानित

श्रीनगर 07 अगस्त (हि.स.)। कृषि उत्पादन विभाग के प्रमुख सचिव शैलेंद्र कुमार को भू-स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने विशेष रूप से समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन और विस्तार के माध्यम से उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, प्रतिबद्धता और दूरदर्शी मार्गदर्शन के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय भू-स्थानिक नेतृत्व पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार उन्हें आज एक समारोह में प्रदान किया गया जो राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कार 2025 (संस्करण 02) का हिस्सा था जो एफओएसएसईई-जीआईएस परियोजना की एक प्रमुख पहल है जिसका आयोजन आईआईटी बॉम्बे द्वारा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के तत्वावधान में किया गया था। यह सम्मान समारोह प्रोफेसर पेनन चिन्नास्वामी, सह-प्रधान अन्वेषक, एफओएसएसईई, आईआईटी बॉम्बे और पुरस्कारों के सह-संयोजक, तथा मोहम्मद कासिम खान एम, राष्ट्रीय समन्वयक एफओएसएसईई-जीआईएस, आईआईटी बॉम्बे और कार्यक्रम के आयोजन सचिव द्वारा किया गया। यह पुरस्कार जम्मू और कश्मीर के कृषि क्षेत्र में भू-स्थानिक उपकरणों और ओपन-सोर्स जीआईएस तकनीकों को अपनाने में कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है जिससे यह राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति 2022 और भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के उद्देश्यों के अनुरूप हो गया है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कारों ने भारत भर के लगभग 100 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया जिनमें 10 आईएएस अधिकारी, 1 सशस्त्र बल अधिकारी, इसरो के 17 प्रख्यात वैज्ञानिक, 5 उपकुलपति और प्रमुख संस्थानों के 60 से अधिक वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने भारत में भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार प्राप्त किए।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL
SHAKTIPHE (M) DIVISION KATHUA
Tele/Fax: 01922-237825/E-Mail - phejmumdkathua @gmail.com

Extension notice-II

e- NIT No. 85/JSPHEMK dated: 26-07-2025 Due on 01-08-2025

Due to poor response the last date for uploading of tender documents and opening of tenderers vide e-NIT No.85/JSPHEMK dated 26-07-2025 Due on 01-08-2025issued vide No:-JSPHEMK/1555-58 dated 26-07-2025& extended upto 06-08-2025 issued vide No. JSPHEMK/1619-22 dated 01-08-2025 for providing and fitting of components to electro-mechanical equipment's/pumping machinery along with other allied works at tube well -Taranagar& Partap Nagar, is again hereby extended as under:-

Last date for uploading of tender document 11-08-2025upto04:00 PM
Last date for opening of tender document 12-08-2025upto 01:00 PM
All other terms and conditions of NIT's referred above shall remain the same.
No:-JSPHEMK/1658-61
Dated06-08-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti PHE Mech. Division
Kathua

DIP/J-4423/25
Dtd: 7-8-2025

संपादकीय

अलगाववाद और कट्टरपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता

जम्मू और कश्मीर आज जिस नाजुक मोड़ पर खड़ा है, उसे देखते हुए, सत्ताधारी अलगाव या कट्टरपंथ के प्रति उदासीन रवैया नहीं अपना सकते, क्योंकि इससे क्षेत्र में शांति की कड़ी मेहनत से अर्जित उपलब्धियाँ फिर से मूल स्थिति में पहुँच सकती हैं।

इस संदर्भ में, जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा 25 पुस्तकों को ज़ब्त करने का निर्णय, जिनमें से दो अरुंधति रॉय द्वारा और एक ए.जी. नूरानी द्वारा लिखी गई हैं, कथित तौर पर युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने, आतंकवादियों का महिमामंडन करने, सुरक्षा बलों की निंदा करने और अलगाव को बढ़ावा देने में योगदान देने के कारण, पूरी तरह से उचित है क्योंकि जम्मू और कश्मीर, विशेष रूप से घाटी में शांति लंबे बलिदानों और राजनीतिक प्रयोगों के बाद प्राप्त हुई है, और इसलिए किसी भी संस्था को सरकार और देश के खिलाफ झूठे बयान फैलाकर इस सब को खत्म करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सरकार ने इन प्रकाशनों के विरुद्ध संज्ञान लेते हुए एक सही कदम उठाया है। जम्मू-कश्मीर सरकार के गृह विभाग ने 25 ऐसी पुस्तकों की पहचान की है जो अलगाववाद को बढ़ावा देती हैं और भारत की संप्रभुता व अखंडता को खतरे में डालती हैं।

यह समझ में आता है कि जम्मू-कश्मीर सरकार ने यह कार्रवाई की है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर यह कदम नहीं उठाया है क्योंकि अगर ये पुस्तकें अलगाववाद की वकालत करती हैं या लोगों को कट्टरपंथी बनाने की क्षमता रखती हैं, तो केंद्र सरकार को इन्हें पूरे देश में प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। यह बात जम्मू-कश्मीर सरकार को केंद्र के समक्ष रखनी चाहिए थी और अंतिम निर्णय गृह मंत्रालय या राष्ट्रीय स्तर पर किसी अन्य संबंधित पक्ष को लेना चाहिए था।

यह हैरान करने वाली बात है कि जम्मू-कश्मीर के बाहर भी कोई इन प्रकाशनों को पढ़ सकता है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग का अधिकार क्षेत्र लखनपुर से आगे नहीं है।

हालांकि अभी भी चीजें निश्चित नहीं हैं, लेकिन शीर्ष पर बैठे लोगों को इस मामले पर विचार करना चाहिए ताकि यदि उनकी ओर से कोई कमी रह गई हो तो उसे दूर किया जा सके, क्योंकि अलगाववाद के प्रचार को रोकने का विचार बिल्कुल सही है, लेकिन यह सार्वभौमिक होना चाहिए और किसी एक राय या केंद्र शासित प्रदेश की सीमाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए?

भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी

– शिवराज सिंह चौहान
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और किसान-केंद्रित पहलों के कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। कृषि वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख कृषि फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024-25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन होगा और वर्ष 2014-15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में यह 40 प्रतिशत अधिक रहेगा।

1960 के दशक से पहले की जड़ता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आजभारतीय कृषि खाद्य अधिशेष प्राप्त करने की स्थिति में आ गयी है, जिससे माल्थस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जाएगी। 1967 में, विलियम और पॉल पैडॉक ने भारत में अकाल की भविष्यवाणी की थी। उनका दावा था कि देश अपनी बढ़ती आबादी का पेट नहीं भर पाएगा। उन्होंने खाद्य सहायता केखिलाफ विवादास्पद तर्क दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे भविष्य में भुखमरी और बढ़ेगी।

उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किस्मों, कृषि रसायनों और सिंचाई से संचालित हरित क्रांति ने पैडॉक की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1966-67 के 74 मिलियन टन से बढ़ाकर 1979-80 तक 130 मिलियन टन हो गया। वार्षिक वृद्धि 8.1 मिलियन टन (2014-2025) के शिखर-बिंदु को छूते हुए 354 मिलियन टन तक पहुंच गई। बागवानी फसलें भी 1960 के दशक के 40 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 334 मिलियन टन हो गई, जिसमें हाल ही में 7.5 मिलियन टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। विपरीत परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम किस्मों और अनुकूलकृषि पद्धतियों में प्रगति के कारण फसल उत्पादन में भी अधिक स्थिरता आयी है।

भारत के डेयरी, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में शुरू हुई श्वेत क्रांति ने दूध उत्पादन को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 2023-24 तक 239 मिलियन टन कर दिया, जो पूरे यूरोप के बराबर है। 1980 के दशक की नीली क्रांति ने मछली उत्पादन को 2.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 2024-25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य उत्पादक और निर्यातक बन गया। मुर्गीपालन, घरेलूगतिविधि से आगे बढ़करएक उद्योग के रूप में विकसित हुआ, जिसमें अंडों का उत्पादन 10 बिलियन से बढ़कर 143 बिलियन हो गयाऔर इसी अवधि में मुर्गी के मांस का उत्पादन 113 हजार टन से बढ़कर 5,019 हजार टन हो गया।

2014-15 और 2023-24 के बीच, पशु-स्रोत से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई- दूध में सालाना 10.2 मिलियन टन, अंडों में 6.8 बिलियन इकाई, ब्रॉयलर मांस में 217 हजार टन और मछली (मुख्य रूप से जलीय कृषि) में 0.78 मिलियन टन की वृद्धि हुई। प्रजनन, संसाधन प्रबंधन और कुशल जनशक्ति में तकनीकी प्रगति ने इस तेज वृद्धि को गति दी है। फल, सब्ज़ियां और पशु उत्पाद जैसे उच्च-मूल्य वाले खाद्य पदार्थ अब खाद्यान्न वृद्धि से आगे निकल रहे हैं, जो कृषि विविधीकरण, बेहतर पोषण, किसानों की आय और जलवायु विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

भारत की खाद्य उत्पादन सफलता पोषण, किसानों की आय, जलवायु की विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता

और निर्यात को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी व नीति की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाती है। आईसीएआर के शोध से पता चलता है कि कृषि में निवेश पर उच्च आय प्राप्त होती है- अनुसंधान और विस्तार पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर क्रमशः 13.85 रुपये और 7.40रुपये। पीएमकेएसवाई (सिंचाई), पीएम-किसान (प्रत्यक्ष किसान सहायता), राष्ट्रीय पशुधन मिशन और नीली क्रांति जैसी हाल की सरकारी पहलों ने संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, जोखिमों को कम करके और कृषि-खाद्यप्रणाली में प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को और मजबूती दी है।

भारत में विभिन्न खाद्य पदार्थों का वार्षिक वृद्धिशील उत्पादन

अवधि	खाद्यान्न (मिलियन टन)	फल औरसब्जियां (मिलियन टन)	दूध (मिलियन टन)	समुद्री मछली (मिलियन टन)	अंतर्देशीय मछली (मिलियन टन)	मुर्गी का मांस (हजार टन)	अंडे (संख्या बिलियन में)
1966-67 से 1979-80	2.7	1.3	0.9	–	–	2.1	0.4
1980-81 से 1989-90	6.1	2.0	2.2	0.08	0.06	21.4	1.1
1990-91 से 1999-2000	3.9	6.0	2.5	0.06	0.14	45.5	1.0
2000-01 से 2013-14	3.9	8.2	4.2	0.04	0.24	148.5	3.2
2014-15 से 2024-25	8.1	7.5	10.2*	0.12	0.78	217.0*	6.8*

*2023-24 तक

2047 तक, भारत ने विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसलिए इसकी अर्थव्यवस्था को सालाना 7.8प्रतिशतकी दर से वृद्धि करनी होगी।अनुमान है कि 2047 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी- जिसमें से आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इस बदलाव से खाद्यान्न की कुल मांग दोगुनी हो जाएगी, फलों, सब्जियों और पशु-आधारित खाद्य पदार्थों की मांग तिगुनी होने की उम्मीद है, जबकि अनाज की मांग स्थिर रहेगी, जिससे अधिशेष की स्थिति बनी रहेगी।

हालांकि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण कृषि भूमि 180 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 176 मिलियन हेक्टेयर और औसत भूमि जोत 1 से घटकर 0.6 हेक्टेयर रह जाएगी। इससे जल और कृषि रसायनों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे संसाधनों का क्षरण होने का खतरा होगा। जलवायु परिवर्तन और भी बड़ा जोखिम है, जो स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका को खतरे में डालता है।

भारत की उभरती कृषि-खाद्य चुनौतियां, उत्पादन-रणनीतियों में बदलाव की मांग करती हैं। प्रतिवर्ष 20 मिलियन टन चावल, जिसकी खेती में अधिक मात्रा में जल की जरूरत होती है, के निर्यात के बावजूद, भूजल की सतत उपलब्धता खतरे में है। इस बीच, भारत खाद्य तेलों और दालों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और संसाधनों के संरक्षण के लिए, फसल नियोजन में स्थायी कृषि पद्धतियों के साथ-साथ तिलहन और दलहन जैसी जल-कुशल फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

विभिन्न बाधाओं के कारण कृषि कार्य में उपयोग न की जाने वाली 12 मिलियन हेक्टेयर चावल-परती भूमि परभारत दलहन और तिलहन की खेती का विस्तार कर सकता है। हालांकि, कम पैदावार- तिलहन में 18-40 प्रतिशत और दलहन में 31-37 प्रतिशत का अंतर - तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) 728 जिलों में 1.35 करोड़ किसानों तक पहुंचा, किसान-वैज्ञानिक प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से बेहतर कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिला। उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, सरकार ने मिशन-मोड में कई योजनाएं भी शुरू की हैं, जो तिलहन, दलहन और कपास के उच्च उपज वाले बीजों पर केंद्रित हैं।

कृषि अनुसंधान में लागत कम करने और जोखिमों का प्रबंधन करते हुए उत्पादकता, सहनीयता और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। समय पर जानकारी की बढ़ती मांग के साथ, एआई और डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण वैश्विक कृषि अनुसंधान में बदलाव ला रहे हैं। भारत वर्तमान में अनुसंधान एवंविकासमें सालाना 116 बिलियन रुपये (कृषि-जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) का निवेश करता है, इसके साथ ही वित्त पोषण बढ़ाने और मांग-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की योजनाएं भी तैयार की गयी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य विस्तार प्रणालियों और केंद्र-राज्य समन्वय को मज़बूत करने से अनुसंधान, किसानों के साथ और भी गहराई से जुड़ सकेगा।卐एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम卐 विज़न के अंतर्गत, आईसीएआर के नोडल अधिकारी विकसित भारत को समर्थन देने के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजनाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

मोबाइल खेल की हार, जीवन की हार क्यों बनी?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

मोबाइल खेलों की बढ़ती लत बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। इंदौर में एक तेरह वर्षीय बालक ने फ्री फायर खेल में 3000 रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली, जो बताता है कि आज की पीढ़ी में हार सहने की क्षमता घटती जा रही है। यह केवल एक खेल की हार नहीं, बल्कि संवादहीनता, अभिभावकों की अनदेखी और भावनात्मक असुरक्षा की परतें खोलती है। बच्चों को तकनीकी उपकरणों से पहले भावनात्मक समर्थन, शिक्षा तंत्र में मानसिक स्वास्थ्य और परिवार में संवाद की ज़रूरत है। हार को जीवन की समाप्ति नहीं, सीख बनने देना होगा।

जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, आँखों में सपने और जीवन में उमंग होनी चाहिए, उस उम्र में इंदौर के एक तेरह वर्षीय बालक ने आत्महत्या कर ली। कारण -एक मोबाइल खेल फ्री फायर में तीन हज़ार रुपये हार जाना। यह घटना केवल एक बालक की मृत्यु नहीं, बल्कि समाज की चुप्पी, माता-पिता की अनभिज्ञता और डिजिटल अंधकार की सच्चाई है।

यह बालक सातवीं कक्षा का विद्यार्थी था। एक दिन पहले ही उसका जन्मदिन मनाया गया था। घर में मिठाई की खुशबू, गुब्बारों की चमक और मासूम हँसी की गूँज बाकी थी। लेकिन अगले ही दिन उसने अपने ही घर में फाँसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। क्यों? क्योंकि उसने एक मोबाइल खेल में तीन हज़ार रुपये गँवा दिए थे, जो उसने अपनी माँ के बैंक खाते से ऑनलाइन निकाल कर खर्च किए थे।

इस घटना ने बहुत गहरे सवाल खड़े किए हैं- क्या मोबाइल खेल केवल मनोरंजन हैं या वे हमारे बच्चों की मानसिक शांति और आत्मसम्मान को निगलते जा रहे हैं? क्या हम बच्चों को तकनीकी ज्ञान तो दे रहे हैं, पर मानसिक सहारा, संवाद और संस्कार नहीं? बाल मन अत्यंत कोमल और संवेदनशील होता है। जब हम बच्चों को बिना दिशा-निर्देश और निगरानी के मोबाइल फोन थमा देते हैं, तो हम उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में छोड़ देते हैं जहाँ हार का मतलब केवल हार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की समाप्ति बन जाता है। फ्री फायर, पबजी, बीजीएमआई जैसे युद्धक खेलों में हर क्षण जीतने का दबाव, प्रतिस्पर्धा की भावना और नकली पहचान की दौड़ बच्चों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालती है। इन खेलों में हर विजय एक नकली आनंद देती है और हर पराजय एक गहरे दुःख का कारण बनती है। बच्चों को यह अनुभव नहीं हो पाता कि यह केवल एक खेल है, असली जीवन नहीं। जब वे इन खेलों में हारते हैं, तो वे इसे अपने जीवन की हार मान लेते हैं। यही हुआ अक्लंक के साथ।

माता-पिता की भूमिका इस पूरी घटना में सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता बच्चों को मोबाइल देते समय यह समझने में असफल हो जाते हैं कि वह उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए संपूर्ण संसार बन चुका है। बच्चा जब मोबाइल पर खेल में हारता है, और उस पर ?कार पड़ती है, तो वह डबल आघात सहता है — एक हार का और दूसरा उपेक्षा का। बालक की माँ ने जब उसे डांटा, तो वह उसके लिए सामान्य माँ की झिड़की नहीं थी, वह उसके लिए स्वयं के मूल्यहीन होने की मुहर थी। हम भूल जाते हैं कि बालक केवल हमारे शब्द नहीं, हमारे भाव भी ग्रहण करते हैं। माता-पिता यदि संवाद के स्थान पर केवल डाँट और आदेश देंगे, तो बच्चे डर और अपराधबोध में जीने लगते हैं।

आज हर घर में मोबाइल है, पर क्या हर घर में भावनात्मक संवाद है? क्या माता-पिता दिन में पाँच मिनट भी यह पूछते हैं कि बेटा, तुम कैसा महसूस कर रहे हो? क्या स्कूल में कोई शिक्षक बच्चों से यह पूछता है कि तुम्हें कोई बात मानसिक रूप से परेशान तो नहीं कर रही? हम परीक्षा में अंकों पर ध्यान देते हैं, पर बच्चे के मन में उठते तूफानों पर नहीं। मोबाइल खेलों के माध्यम से बच्चों में जो मानसिक विकृति उत्पन्न हो रही है, वह केवल मनोरंजन की बात नहीं रह गई है। यह अब मानसिक स्वास्थ्य का गंभीर संकट बन चुकी है। इन खेलों में लगातार खेलने से मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन का उत्सर्जन होता है, जो आनंद की अनुभूति कराता है। लेकिन यह आनंद क्षणिक होता है, और उसकी लत लग जाती है। बच्चा फिर वास्तविक जीवन में संतोष नहीं पाता, और आभासी दुनिया में ही अपनी पहचान खोजने लगता है। इन खेलों में जब पैसे भी जुड़ जाते हैं, तो स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। एक बार मोबाइल में बैंक खाता या भुगतान माध्यम जुड़ जाए, तो बच्चा जाने-अनजाने में हजारों रुपये खर्च कर देता है। माता-पिता को इसकी जानकारी तब होती है जब नुकसान हो चुका होता है।

इसका समाधान केवल तकनीकी नियंत्रण नहीं है। समाधान है- संवाद, स्नेह, समझ और सतर्कता। माता-पिता को चाहिए कि मोबाइल में पालक नियंत्रण अनुप्रयोग, खेल समय सीमा, ऑनलाइन भुगतान रोकथाम, जैसे साधनों का प्रयोग करें। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वे अपने बच्चों के जीवन में भागीदार बनें- उनसे बात करें, उनके साथ समय बिताएँ और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे केवल अंकों, उपलब्धियों या जीत से नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व से प्रिय हैं।

विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता होना अनिवार्य किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में भावनात्मक शिक्षा, हार-जीत की समझ, आत्मसम्मान और आत्मरक्षा जैसे विषयों को स्थान दिया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि हार कोई अभिशाप नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। सरकार को भी मोबाइल खेलों पर नियंत्रण के कठोर नियम बनाने चाहिए। बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भुगतान वाले खेल प्रतिबंधित किए जाएँ, भुगतान प्रणाली में माता-पिता की स्वीकृति आवश्यक हो, और हर मोबाइल सेवा में बाल संरक्षण प्रणाली लागू की जाए।

यदि हम इन बातों पर समय रहते ध्यान नहीं देंगे, तो ऐसी घटनाएँ सामान्य होती जाएँगी। वर्ष 2023 में भी कई राज्यों से ऐसी घटनाएँ सामने आई थीं, जहाँ बच्चों ने केवल खेल में हारने के कारण आत्महत्या कर ली थी। यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। आइए, हम यह संकल्प लें कि हमारे घरों में मोबाइल भले हो, पर उससे बड़ी चीज़ संवाद हो। हम बच्चों को केवल उपकरण न दें, उन्हें अपना समय, सहारा और साथ दें। हम उन्हें बताएं कि कोई भी खेल, कोई भी परीक्षा, कोई भी गलती- जीवन से बड़ी नहीं होती। एक बालक की आत्महत्या से यदि हम सबक नहीं लेंगे, तो हम आने वाले पीढ़ियों के साथ अन्याय करेंगे। इसीलिए, आइए, एक नई शुरुआत करें- जहां मोबाइल हो, पर उस पर माता-पिता की दृष्टि हो; जहां खेल हो, पर जीत-हार से परे प्रेम हो और जहां बच्चे हों, वहाँ केवल मौन नहीं, संवाद भी हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ट्रंप की दादागिरी, रुपए का कमजोर होना और प्रधानमंत्री मोदी का स्वदेशी आह्वान

–डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत ने अमेरिका को यह साफ संदेश दिया कि वह अपने हितों से कोई भी समझौता नहीं करेगा। भारत का यह कहना हुआ और लग रहा है; जैसे अमेरिका पूरी ताकत से भारत को कमजोर करने में जुट गया हो। इस सिलसिले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक के बाद एक सामने आए वक्तव्य देखे जा सकते हैं, उसका एक नकारात्मक परिणाम भी दिख रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर तक को पार कर चुका है। डॉलर इंडेक्स 98.68 के स्तर पर पहुंच चुका है और निवेशक अमेरिकी एसेट्स की ओर लौट रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत पर टैरिफ की धमकी दी हो। इससे पहले भी 2018 और 2019 में अमेरिका ने जीएसपी (Generalized System of Preferences) के तहत भारत को मिलने वाली छूट को समाप्त किया था। इन कदमों से भारतीय निर्यातकों को बड़ा नुकसान हुआ था। यह कोई छोटी बात नहीं, बल्कि इकोनॉमी के हिसाब से भारत के लिए बहुत गंभीर मामला है।अब सवाल ये है कि क्या यह गिरावट अस्थायी है या रुपया सच में डॉलर के सामने घुटने टेक रहा है विदेशी मुद्रा बाजार से जुड़े विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह गिरावट केवल बाजार की मनोदशा नहीं बल्कि वैश्विक परिस्थितियों का संकेत है। यानी अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वे लगातार ऐसे कदम उठा रहे हैं, जिससे कि विश्व में डॉलर का वर्चस्व बना रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाना भी इसी का हिस्सा है और भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को मुद्दा बनाना भी। अब भारतीय शेयर बाजार पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि इन परिस्थितियों में हम क्या करें क्या रुपए को इसी तरह कमजोर होता देखते रहें! और एक समय के बाद हमारी मजबूत अर्थव्यवस्था जो दुनिया में तीसरे नंबर पर आने के लिए प्रयास कर रही है, उसे पीछे धकेलने के साक्षी बनें या फिर अपने देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए कुछ प्रभावी कदम उठाएं

अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी गए थे, उन्होंने वहां अपने भाषण के दौरान अनेक विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्हीं में से एक विषय स्वदेशी का भी उनके द्वारा विशेष तौर पर उठाया गया। क्या हम उनके कहे इस विषय को आज गंभीरता से समझकर उस पर अमल कर सकते हैं वस्तुत- यहां अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी लिए द्वारा सुझाए रास्ते पर चलना सबसे अधिक जरूरी नजर आ रहा है। उन्होंने स्व से स्वदेशी की बात की है और देश के सभी जन से आह्वान किया है कि वे अपने जीवन में शत-प्रतिशत स्वदेशी अपनाएं। हम स्वदेशी का संकल्प लें!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, अब हम कुछ भी खरीदें तो एक ही तराजू होना चाहिए, हम उन चीजों को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी भारतीय का पसीना बहा है और जो चीज भारत के लोगों द्वारा बनी है। भारत के लोगों के कौशल्य से बनी है, भारत के लोगों के पसीने से बनी है। हमारे लिए वह स्वदेशी है। हमें, 'वोकल फॉर लोकल' मंत्र को अपनाना होगा। हम संकल्प ले कि हम 'मेक इन इंडिया' प्रोडक्ट्स को ही बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो कुछ भी नया सामान आएगा, वो स्वदेशी ही होगा, ये ज़िम्मेदारी हर देशवासी को लेनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की

मेलबर्न। राष्ट्रीय चयन पैनल ने गुरुवार को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के लिए 14 खिलाड़ियों वाली पुरुष टीम की घोषणा की। ऑस्ट्रेलिया ए लखनऊ में दो चार दिवसीय मैच और कानपुर में तीन एक दिवसीय मैच खेलेगी। इन टीमों का चयन उपमहाद्वीप के अनुभव और लंबी अवधि के अनुभव के साथ-साथ घरेलू गर्मियों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पुरुष चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से कहा, उपमहाद्वीप कई अनूठी चुनौतियां और बल्ले और गेंद से अलग-अलग कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि इन परिस्थितियों में बार-बार अनुभव प्राप्त करने से खिलाड़ियों को भविष्य के उपमहाद्वीप दौरों के लिए अपने खेल की एक प्रभावी समझ और रणनीति विकसित करने में मदद मिलेगी। जेवियर बार्टलेट, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, फर्गस ओनील, ओली पीक, जोश फिलिप और कोरी रोचिचियोली लखनऊ में होने वाले चार दिवसीय मैचों में खेलेंगे और शेफील्ड शील्ड के पहले दौर के लिए वापसी करेंगे।

न्यूज़ीलैंड को लगा झटका, टॉम लाथम जिम्बाब्वे के खिलाफ निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। आईसीसी के अनुसार न्यूज़ीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लाथम कंधे की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं। लाथम बाएँ कंधे की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, लेकिन दो टेस्ट मैचों की सीरीज के निर्णायक मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए। पहले टेस्ट में नौ विकेट से शानदार जीत हासिल करने के बाद न्यूज़ीलैंड सीरीज़ में 1-0 से आगे है। उनकी जगह मिशेल सैंटनर टीम की कमान संभालेंगे, जिन्होंने शेवरॉन के खिलाफ पहले मैच में ब्लैक कैप्स की कप्तानी की थी। मेहमान टीम तेज गेंदबाज विल ओरूर्के और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ की सेवाओं के बिना खेलेगी, दोनों पहले टेस्ट मैच में खेले थे, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच से पहले चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे। आईसीसी के हवाले से न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, टॉम को फिर से खोना बेहद निराशाजनक है। वह कड़ी मेहनत कर रहे थे और दूसरे टेस्ट से पहले अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन दुर्भाग्य से आज वह अपना फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए। वह बहुत निराश हैं कि वह मैदान पर नहीं उतर पाएंगे, और हमें उनका बहुत दुख है।

'हम इससे सीख सकते हैं', इंग्लैंड में भारत की यादगार सीरीज ड्रॉ पर बोले पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के रोमांचक उद्घाटन संस्करण के दौरान गौतम गंभीर और उनकी टीम की इंग्लैंड में मिली सफलता से बेहद खुश हैं। ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन मैच बेहद रोमांचक रहा। हिम्मत और हौसले की इस जंग में समीकरण दिन के उजाले की तरह साफ था। इंग्लैंड 374 रनों के लक्ष्य को हासिल करने से 35 रन पीछे रह गया, जबकि भारत को लंदन में सीरीज 2-2 से बराबर करने के लिए चार विकेट लेने थे। भारत के खिलाफ मुश्किलें खड़ी होने के बावजूद मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड को धूल चटाने के लिए कड़ी मेहनत की। दूसरे छोर पर क्रिस वोक्स के कंधे की हड्डी टूटने के बावजूद गस एटकिंसन ने एक विकेट शेष रहते हुए सात रन की जरूरत तक समीकरण को सीमित कर दिया। सिराज की कोणीय यॉर्कर एटकिंसन के ऑफ स्टंप पर लगी और भारत ने सीरीज 2-2 से बराबर कर दी। खुशी से फूले नहीं समा रहे सिराज ने जोश से दौड़ लगाई और अपना फेमस जश्न मनाया और जल्द ही उनके हमवतन खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। गंभीर ने सहायक कोच रयान टेन डोइशेट को गले लगा लिया और बाकी टीम भी तुरंत जश्न में शामिल हो गई। गंभीर ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को देखा और दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे को गले लगा लिया।

मेरे पूरे शरीर का भार मेरे कंधे पर आ गया, चोट से उभरते हुए क्रिस वोक्स का भावुक बयान

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स को भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट के पहले दिन कंधे में गंभीर चोट लग गई। यह चोट तब लगी जब वह एक चौका रोकने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके बजाय वह फिसल गए और अपने कंधे के बल जमीन पर गिर गए। वोक्स काफी दर्द में दिख रहे थे और फिजियो के साथ तुरंत मैदान से बाहर चले गए। बाद में पता चला कि 36 वर्षीय वोक्स का कंधा उखड़ गया और इसलिए वह पूरे मैच से बाहर हो गए है। हालांकि 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 357/9 पर सिमट गया, वोक्स ने एक अविश्वसनीय रूप से साहसी निर्णय लिया और बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। इंग्लैंड टीम 6 रन से मैच हार गई। लेकिन वोक्स के इस साहसिक कार्य की भारतीय खिलाड़ियो ने भी प्रशंसा की। वोक्स ने अब बताया है कि जब वह कंधे के बल गिरे तो उन्हें कैसा महसूस हुआ था और बताया कि बाउंड्री बचाते समय वह आउटफील्ड पर क्यों फिसल गए।

डीपीएल सीज़न 2: ऑलराउंड प्रदर्शन से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से शिकस्त दी। स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 163 रन बनाए, जिसके जवाब में वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 144 रन ही बना सकी।

सार्थक रंजन का तूफानी अर्धशतक

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की शुरुआत शानदार रही। ओपनर सार्थक रंजन ने 50 गेंदों में 77 रन की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 154.00 रहा। वहीं, उनके साथ वैभव कांडपाल ने 33 गेंदों में 38 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल था। दोनों ने मिलकर ठोस ओपनिंग साझेदारी निभाई। मिडिल ऑर्डर में यजस शर्मा (8 रन) और प्रणव राजवंशी (5 गेंदों में 8 रन, 1 छक्का) ने छोटे योगदान दिए, जबकि अर्जुन रापरिया ने अंत में 9 गेंदों में नाबाद 17 रन की तेज़ पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

वॉरियर्स के गेंदबाज़ों ने दिखाई धार

आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से हर्ष त्यागी सबसे किफायती गेंदबाज़ रहे। उन्होंने अपने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए। सिद्धांत शर्मा और कमल बैरवा ने भी 2-2 विकेट लिए।

वॉरियर्स की लड़खड़ाती पारी

164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन मिडिल ओवर्स में नियमित अंतराल पर

विकेट गिरते रहे। विकेटकीपर बल्लेबाज़ केशव डबास ने सबसे ज़्यादा 26 गेंदों में 40 रन बनाए, जिसमें उनकी स्ट्राइक रेट 153.85 रही। वहीं, सनत सांगवान ने 33 गेंदों में 32 रन की संयमित पारी खेली। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में कोई बड़ा साझेदारी नहीं बन पाई, जिससे टीम लक्ष्य से दूर रह गई।

गेंदबाज़ी में चमके विकास दीक्षित और कुलदीप यादव

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से विकास दीक्षित ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्हें बेहतरीन गेंदबाज़ी के लिए मैच का नायक माना जा सकता है। कुलदीप यादव ने भी 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि हर्षित राणा को 2 सफलताएं मिलीं।

संक्षिप्त स्कोर:

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स - 163/7 (20 ओवर);

सार्थक रंजन: 77 (50), वैभव कांडपाल: 38 (33), हर्ष त्यागी: 2/19

आउटर दिल्ली वॉरियर्स - 144/9 (20 ओवर);

केशव डबास: 40 (26), सनत सांगवान: 32 (33), विकास दीक्षित: 3/19

प्रो कबड्डी लीग 2025: प्लेऑफ में वापसी की तैयारी में बंगाल वॉरियर्ज़

एजेंसी

मुम्बई। प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 में बंगाल वॉरियर्ज़ प्लेऑफ़ में वापसी की कोशिश करेगी। सीज़न 7 की चैंपियन टीम पिछले चार सीज़नों से लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पाई है। टीम ने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करते हुए प्रशांत सुरवे को हटाकर नवीन कुमार को नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नीलामी में वॉरियर्ज़ ने टीम को नया रूप दिया और रेडर देवांक दलाल को 2.205 करोड़ रुपये में खरीदा। उनके साथ ओमिद खोजास्ते, जंग कुन ली, सुशील कांबरेकर और अन्य रेडर्स टीम की ताकत बनेंगे। रेडिंग यूनिट इस बार टीम की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। हालांकि, टीम की डिफेंस लाइन अनुभवहीन है और ऑलराउंडर्स की भी कमी है। केवल शिवांश ठाकुर और नए खिलाड़ी मूलचंद्र सिंह ही ऑलराउंडर के रूप में मौजूद हैं। टीम के पास कई युवा खिलाड़ी हैं जो खुद को साबित करने के लिए तैयार हैं, लेकिन टीम को देवांक जैसे कुछ खिलाड़ियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ सकता है। यदि वे फॉर्म में नहीं रहे या चोटिल हो गए, तो प्लेऑफ़ की राह मुश्किल हो सकती है। वॉरियर्ज़ के लिए यह सीज़न निर्णायक साबित हो सकता है।

यूएई त्रिकोणीय सीरीज के लिए अफगानिस्तान की 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम घोषित

एजेंसी

काबुल। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की ड्रॉ की पेशकश पर भारत के इनकार पर भी बात की। उनका मानना था कि रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन को अपने शतक बनाने का पूरा अधिकार था और यह मालूम होने के बाद कि ड्रॉ ही संभावित परिणाम है तो खेल जारी रखने का फैसला पूरी तरह से सही भावना में लिया गया था। उन्होंने कहा, 'लोग चौथे टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहे हैं कि क्या वाशिंगटन और जडेजा के शतक सही भावना से लगाए गए थे? ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए? वे ड्रॉ के लिए खेल रहे थे। तेंदुलकर ने कहा, 'इससे पहले इंग्लैंड ने दबाव बनाया हुआ था। इसके बावजूद अगर कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहा है। अगर वह दिन के खेल के अंत तक भी बल्लेबाजी कर रहा है। इसके बाद दोनों ने शतक बनाए और तब सीरीज जीवंत थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें ड्रेसिंग रूम जाकर इंग्लैंड के क्षेत्ररक्षकों और

गेंदबाजों को आराम क्यों देना चाहिए? अगर वे हैरी ब्रुक या किसी और को गेंदबाजी कराना चाहते हैं तो यह बेन स्टोक्स की पसंद है, यह भारत की समस्या नहीं है। तेंदुलकर ने स्टोक्स के इस स्पष्टीकरण को भी खारिज कर दिया कि उन्होंने अपने गेंदबाजों को आराम देने के लिए मैच के क्षेत्ररक्षकों को तरोताजा क्यों होना चाहिए? क्या आपके पास कोई जवाब है? इसका कोई जवाब नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह से भारतीय टीम के साथ हूं। चाहे वह (गौतम) गंभीर हो या शुभमन (गिल) या जडेजा और वाशिंगटन, उन्होंने फैसला किया और मैं शत प्रतिशत उनके साथ हूं। जल्दी खत्म करने की मांग की थी।

तेंदुलकर ने पूछा, 'पांचवें टेस्ट मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजों को तरोताजा क्यों होना चाहिए? उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड

नेडियन ओपन 2025 : ओसाका ने टॉसन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को क्लारा टॉसन को हराकर कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल मुकाबले में अब उनका सामना कनाडा की 18 वर्षीय टेनिस सनसनी विक्टोरिया मोबोको से होगा। ओसाका ने डेनमार्क की टॉसन को 6-2, 7-6 (9/7) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। ये ओसाका का 2022 मियामी ओपन के बाद पहला डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल होगा और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उनकी पहली टूर-लेवल खिताबी कोशिश होगी। मैच के पहले सेट में ओसाका ने पूरी तरह दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो बार ब्रेक लेकर मुकाबले को टाईब्रेक तक खींचा। टाईब्रेक में भी टॉसन को 6-4 की बढ़त के साथ दो सेट प्वाइंट मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं

सकीं। ओसाका ने एक मैच प्वाइंट गंवाने के बाद लगातार दो अंक जीतकर जीत सुनिश्चित की। दूसरे सेमीफाइनल में विक्टोरिया मोबोको ने विंबलडन चैंपियन एलेना रायबाकिना के खिलाफ 1-6, 7-5, 7-6 (7/4) की रोमांचक जीत दर्ज की। इस मुकाबले में उन्होंने एक मैच प्वाइंट भी बचाया, जो उनके मानसिक मजबूती का बड़ा प्रमाण है।फाइनल मुकाबले को लेकर ओसाका ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और लंबे समय बाद हार्ड कोर्ट फाइनल खेलने को लेकर उत्साहित हूं। मैंने मोबोको का मैच देखा, वह शांत बनी रहीं और मैच प्वाइंट से वापसी करना वाकई एक 18 साल की खिलाड़ी के लिए बेहद प्रभावशाली है। ओसाका इस सप्ताह की अपनी शानदार परफॉर्मेंस के दम पर अब विश्व रैंकिंग में ऊंचाई पर पहुंच जाएंगी, जिससे यूएस ओपन 2025 में उन्हें सीडेड प्लेयर के रूप में जगह मिलना लगभग तय है।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर: भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने इंडोनेशिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी एशियन कप 2026 क्वालिफायर्स में अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलते हुए की। यह मुकाबला यांगून के थुवुना स्टेडियम में खेला गया। इस नतीजे के साथ भारत को एक अंक मिला है और टीम ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। भारत अब अपने अगले मुकाबले में तुर्कमेनिस्तान से भिड़ेगा।मैच के छठे ही मिनट में नेहा के लेफ्ट फ्लैंक से आए क्रॉस ने इंडोनेशियाई डिफेंस को चकमा दिया, लेकिन फार पोस्ट पर मौजूद पूजा और सुलंजना राउल गेंद को छूने से चूक गईं। हल्का सा टच भी इंडोनेशियाई गोलकीपर एलीआना आयु अरूमी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता था। पहले हाफ के आधे घंटे बाद सुलंजना और पूजा ने लंबी दूरी से गोल करने की कोशिश की। जहां

सुलंजना का शॉट पोस्ट से थोड़े अंतर से बाहर चला गया, वहीं पूजा की कोशिश सीधे एलीआना के हाथों में गई। दूसरे हाफ में नेहा फिर से बाएं छोर से सक्रिय दिखीं, लेकिन इंडोनेशियाई डिफेंडरों ने सामूहिक रूप से उन्हें अलग-थलग करने में कामयाबी हासिल की। मैच के आखिरी 20 मिनट में भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया। सिबानी देवी नोंगमैकापम ने विरोधी हाफ में एक पास इंटरसेप्ट कर बबिता कुमारी के लिए कटबैक किया, लेकिन वह गेंद को छू नहीं सकीं। कुछ देर बाद सिबानी ने एक और क्रॉस बबिता की ओर भेजा, जिसे एलीआना ने आसानी से पकड़ लिया।

इंडोनेशिया को मैच का एकमात्र बड़ा मौका 87वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट अजेंग श्री हंदायानी भारतीय डिफेंस को पार कर गोल के पास पहुंचीं। उन्होंने गेंद को दूर पोस्ट की ओर रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइरांगथेम ने शानदार तरीके से नीचे गिरकर बचाव किया। इसके बाद थोइबिसाना चानू तोइजम ने खतरा पूरी तरह टाल दिया।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने टीम इंडिया के खिलाफ उगला जहर, लगाए गंभीर आरोप, भारतीयों फैंस में बढ़ा गुस्सा

एजेंसी

कराची। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड दौरे पर ऐसा कारनामा कर दिखाया है जिसे हर क्रिकेट प्रेमी लंबे समय तक याद रखेगा। शुभमन गिल की अगुआई में युवा खिलाड़ियों ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराकर दुनियाभर के क्रिकेट जानकारों को चौंका दिया। विराट कोहली, रोहित शर्मा और अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारत ने एक जुझारू और साहसी प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शब्बीर अहमद ने टीम इंडिया पर बॉल टैम्परिंग का गंभीर और निराधार आरोप लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, मुझे लगता है कि भारत ने वैसलीन का इस्तेमाल किया। 80 ओवर से ज्यादा गेंद चल चुकी थी लेकिन फिर भी नई जैसी चमक रही थी। अंपायर को उस गेंद को लैब में भेजकर जांच करानी चाहिए। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने उन्हें जमकर ट्रोल किया। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे भारतीय खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण को नीचा दिखाने की कोशिश बताया। भारत की इस जीत में एक बड़ा नाम उभरा - मोहम्मद सिराज। सिराज ने इस मैच में 5 विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। खास बात यह रही कि उन्होंने आखिरी दिन भी लगभग 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की, जबकि सीरीज में उन्होंने 1000 से अधिक गेंदें फेंकी थीं। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने भी सिराज के जज्बे की जमकर तारीफ की। उन्होंने रेडिट पर एक वीडियो में कहा, मुझे सिराज का रवैया बहुत पसंद आया।

शकुन विद्या निकेतन की बालिका वर्ग में दोहरी जीत

एजेंसी

प्रयागराज। शकुन विद्या निकेतन नैनी ने सीबीएसई क्लस्टर-5 बास्केटबाल प्रतियोगिता के अंडर-14 एवं अंडर-19 बालिका वर्ग में जीत दर्ज की। अंडर-19 में शकुन विद्या निकेतन की यह लगातार दूसरी जीत रही। इसी वर्ग में आर्मी ओल्ड कैंट, सनबीम वरुणा, सनबीम सनसिटी और जीडी गोयनका को अंडर-14 बालक वर्ग में दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुकुल मोंटसरी एवं सनमाउंट इंटरनेशनल और अंडर-17 बालक वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल व आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू कैंट ने अपने-अपने मैच जीते। शकुन विद्या निकेतन नैनी में चल रही प्रतियोगिता के तीसरे दिन अंडर-19 बालिका वर्ग में शकुन विद्या निकेतन ने इलाहाबाद पब्लिक स्कूल को 24-0 अंक से से हराया। विजेता टीम के लिए जान्हवी तिवारी व खुशी शुक्ला ने आठ-आठ, दिव्यांशु ने चार, रिशु व तनु ने दो-दो अंक बनाये। आर्मी

पब्लिक स्कूल ओल्ड कैंट ने सनबीम स्कूल गाजीपुर को 20-0 से, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल गोरखपुर ने डीपीएस प्रयागराज को 7-4 से, सनबीम वरुणा वाराणसी ने सनबीम इंग्लिश स्कूल वाराणसी को 22-2 से, सनबीम सनसिटी वाराणसी ने जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल गोरखपुर को 9-5 से, लिटिल फ्लावर वाराणसी ने सनबीम भदोही को 16-2 से हराया। अंडर-14 बालिका वर्ग में शकुन विद्या निकेतन ने सनबीम भगवानपुर लंका वाराणसी को 5-4 अंक से हराया। विजेता टीम की रिया ने दो और सिद्धी, आरूषि, अंकिता ने एक-एक अंक बनाया। अंडर-14 बालक वर्ग में डीपीएस प्रयागराज ने उदया पब्लिक स्कूल अयोध्या को 20-2 से, गुरुकल गुरुकुल मोंटसरी प्रयागराज ने संत अतुलानंद वाराणसी को को 37-26 से, खेलगांव पब्लिक स्कूल प्रयागराज ने एमआर जयपुरिया को 8-4 से, सनमाउंट इंटरनेशनल गोरखपुर ने सेमस्टार ग्लोबल प्रयागराज को 18-2 से, सेंट जासेफ हाईस्कूल देवरिया ने सनबीम सनसिटी को 12-5 से हराया।

अंडर-17 बालक वर्ग में पतंजलि ऋषिकुल प्रयागराज ने आर्मी पब्लिक स्कूल ओल्ड कैंट को 26-23 से, आर्मी पब्लिक स्कूल न्यू कैंट ने एमपीवीएम गंगा गुरुकुलम प्रयागराज को 35-4 अंक से हराया।

असम को 3-0 से हराकर जूनियर नेशनल राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप पर यूपी का कब्जा

एजेंसी

मुरादाबाद। मध्य प्रदेश के बालाघाट में 26 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित हुई जूनियर ब्वॉयज नेशनल फुटबाल चैंपियनशिप का बीसी राय ट्रॉफी में आज फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश और असम के मध्य खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश के बालकों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए असम को 3-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

जिला फुटबाल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बालकों ने अपने पिछले मैच की रणनीति में कोई बदलाव न करते हुए मैच की शुरुआत से ही लगातार आक्रमण करना शुरू कर दिया। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों में और भी जोश भर गया फल स्वरुप

मैच के 86वें मिनट में एकल प्रयास से मुरादाबाद निवासी कार्तिक कंवल ने गोलकर उत्तर प्रदेश की जीत पर आखिरी मुहर लगाई और उत्तर प्रदेश को चैंपियन होने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के पदाधिकारियों ने भी शुभकानाएं दीं।

सिराज का सामना करना बल्लेबाजों के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण : इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व हरफनमौला मोईन अली का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की दिलेरी और विषमताओं में घुटने नहीं टेकने का उनका जज्बा उन्हें दूसरों से अलग करता है और

किसी भी बल्लेबाज के लिए उनका सामना करना चुनौतीपूर्ण है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाने वाले सिराज ने 23 विकेट चटकाए। मोईन ने कहा, 'सिराज इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में शानदार रहा है। उसकी ऊर्जा, आक्रामकता और निरंतरता शानदार रही है। वह भारत के लिए मैच विनर है और बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, 'सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात गेंद पर नियंत्रण की उसकी काबिलियत है। वह दिलेर है और कभी हार नहीं मानता। यही बात उसे खास बनाती है। उसने जो प्रभाव छोड़ा है, उसका पूरा श्रेय उसको जाता है।

खो-खो ने खिलाड़ियों के जीवन को नई दिशा दी : सुधांशु मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। खो-खो खिलाड़ी सचिन भार्गव को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रतिष्ठित विक्रम पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए खिलाड़ी को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि खो-खो ने खिलाड़ियों के जीवन को नई दिशा दी है। सुधांशु मित्तल ने एक बयान में कहा कि आज इस खेल से जुड़ने पर न केवल पुरस्कार मिलते हैं, बल्कि सरकारी नौकरियां और समाज में सम्मान भी मिलता है। यही वजह है कि आज अनेक युवा खिलाड़ी खो-खो को करियर के रूप में चुन रहे हैं। केकेएफआई के प्रशासन एवं संगठन के चेयरमैन डॉ. एम.एस. त्यागी ने कहा कि खो-खो खिलाड़ियों का आत्मबल वास्तव में बेमिसाल है। आज खो-खो एक आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें स्पोर्ट्स साइंस का भी समावेश हो चुका है। यह खेल सरकारी नौकरियों, प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सामाजिक मान्यता जैसे अवसर प्रदान कर रहा है, जिसके चलते बड़ी संख्या में युवा अब खो-खो की ओर आकर्षित हो रहे हैं। सचिन भार्गव, जिन्होंने पहले खो-खो विश्व कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, उन्हें 11 खिलाड़ियों में शामिल किया गया जिन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते मंगलवार को भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित शिखर खेल अलंकरण समारोह में विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया। विक्रम पुरस्कार की शुरुआत 15 मई, 1990 को

हुई थी और यह मध्यप्रदेश का सर्वोच्च खेल सम्मान है। इसमें प्रशस्ति पत्र और 2 लाख रुपये की नकद राशि दी जाती है और यह उन खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने सीनियर स्तर की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। मध्यप्रदेश के देवास जिले के मूल निवासी 25 वर्षीय सचिन भार्गव वर्तमान में खेल कोटा के तहत मुंबई में आयकर विभाग में कार्यरत हैं। उन्हें यह नियुक्ति 2024 में खो-खो में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर मिली थी। अपने सफर और सफलता का श्रेय वे अपने कोच प्रवीण सांगते, केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, एम.एस. त्यागी और अपने परिवार को देते हैं। सचिन भार्गव ने कहा कि केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल एवं एमएस त्यागी ने खो-खो को बढ़ावा देने के लिए जो प्रयास किए हैं, वह सराहनीय है। उनके प्रयासों के कारण ही आज खो-खो किसी भी अन्य खेल के समकक्ष खड़ा है। खो-खो खिलाड़ियों को अब न केवल पहचान मिल रही है, बल्कि सरकारी नौकरी के अवसर भी मिल रहे हैं। शिखर खेल अलंकरण समारोह 2023 में, मध्यप्रदेश सरकार ने 11 विक्रम पुरस्कार, 11 एकलव्य पुरस्कार, 3 विश्वामित्र पुरस्कार और एक लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया। इसके अलावा, 38वें नेशनल गेम्स में पदक जीतने वाले 82 एथलीटों (34 स्वर्ण, 25 रजत और 23 कांस्य पदक विजेता) को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

जीएसटी धोखाधड़ी मामले में ईडी का तीन राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के ''फर्जी'' वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है। यह मामला फर्जी संस्थाओं और अनधिकृत वित्तीय चैनलों से जुड़े बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से शुरू हुई, जिसकी पहचान इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। मई, 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद पिछले महीने उसे चार्जशीट किया गया था।

अडानी पावर को बिहार में मिली 2400 मेगावाट की बड़ी बिजली परियोजना

नयी दिल्ली। भारत की प्रमुख विद्युत कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को बिहार के भागलपुर जिले में 2400 मेगावाट की एक नई सुपर क्रिटिकल का बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने बताया कि उसे खुली प्रतिस्पर्धा में बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) से बिजली आपूर्ति के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को अडानी पावर की भागलपुर जिले में विकसित होने वाली 2400 मेगावाट की प्रस्तावित नयी ताप विद्युत परियोजना का विकास करेगी और वहां से अनुबंध के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जाएगी। बिहार सरकार की वितरण कंपनी वहां पीरपैंती परियोजना से 2274 मेगावाट बिजली लेगी । विज्ञापन में कहा गया है कि कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली निविदा प्रक्रिया में अडानी पावर सबसे कम दर पर बिजली देने की बोली लगाने वाली कंपनी घोषित की गई। कंपनी ने कीमत 6.075 रुपये प्रति यूनिट की बोली लगाई थी। अनुबंध के तहत, कंपनी भागलपुर जिले में 3 गुणा 800 मेगावाट क्षमता की अपनी नयी अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्र से बिजली की आपूर्ति करेगी।

चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद: क्रिसिल

नई दिल्ली। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने रेपो दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले का स्वागत करते हुये कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुये चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक बार और कटौती संभव है। आरबीआई ने इस साल लगातार तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत कटौती के बाद आज जारी मौद्रिक नीति बयान में इसे स्थिर रखने की घोषणा की। उसने बताया कि घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है, लेकिन बाहरी कारकों के कारण जोखिम बना हुआ है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मुख्य अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक और कटौती की उम्मीद करते हैं। सौम्य मुद्रास्फीति का परिदृश्य और अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी आयात शुल्क का जोखिम प्रमुख कारक होंगे। केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा, आरबीआई का दरों को अपरिवर्तित रखने का निर्णय हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप था। इसके अलावा, बेहतर मानसून, कम मुद्रास्फीति और कम आयकर बोझ जैसे कारक इस वर्ष विकास के लिए सहायक होंगे। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का मानना है कि ग्राहकों के लिए अब भी ऋण की लगात कम है जिससे माँग में तेजी बनी हुई है। सराफ फर्नीचर के संस्थापक और सीईओ रघुनंदन सराफ ने कहा, ÷स्थिर रेपो दर लागू होने के साथ, अब समय आ गया है और यह एक संतुलित गति से होगा।

फियो, अमेजन ने किया ई-कॉमर्स निर्यात क्षमता बढाने का करार

नई दिल्ली। देश में लघु उद्यमियों, कारीगरों, बुनकरों और अन्य उत्पादकों की ऑनलाइन बाजार (ई-कॉमर्स) के माध्यम से विश्व बाजार में कारोबार की क्षमता बढ़ाने में सहयोग के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) में ऑनलाइन बाजार मंच कंपनी अमेज़न इंडिया के साथ एक समझौता (एमओयू) किया है। इस काम के लिए एक विशेष ई-कॉमर्स निर्यात कार्यबल की स्थापना करेंगे जो इकाइयों को इसके प्रति जागरूकता पैदा करेगा। समझौता ज्ञापन पर यहां फियो के महानिदेशक और सीईओ डॉ. अजय सहाय और अमेजन के उपाध्यक्ष चेतन कृष्णस्वामी ने हस्ताक्षर किए। फियो की एक विज्ञप्ति में डॉ. सहाय के हवाले से कहा गया है कि भारत के एमएसएमई क्षेत्र में वैश्विक व्यापार में योगदान देने की अपार क्षमता है और यह समझौता ज्ञापन एमएसएमई को पारंपरिक निर्यात बाधाओं को दूर करने और प्रतिस्पर्धी वैश्विक खिलाड़ी बनने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने दोहराया कि सरकार ई-कॉमर्स हब के लिए एक नई योजना भी लेकर आयी है, जिससे देश के समग्र निर्यात को बढ़ावा देने में और मदद मिलेगी। श्री कृष्णस्वामी ने कहा कि इस करार का लक्ष्य 2030 तक ई-कॉमर्स निर्यात 200-300 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

रेनॉल पॉलीकेम की कमजोर शुरुआत से निवेशकों में निराशा, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कलर मास्टरबैच, इंडस्ट्रियल केमिकल्स और प्लास्टिक पिगमेंट्स जैसी चीजों का उत्पादन करने वाली कंपनी रेनॉल पॉलीकेम के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 105 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 105 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 99.75 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। रेनॉल पॉलीकेम का 25.77 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.83 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.51 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 24.54 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 7.30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.53 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 5 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के अनुसार इस दौरान कंपनी के कर्ज में उतार-चढ़ाव होता रहा है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में 5.36 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2023-24 आखिरी में में गिर कर के 2.58 रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में कंपनी के कर्ज में बढोतरी हो गई और ये उछल कर 6.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो पहले दो महीने अप्रैल और मई 2025 के दौरान कंपनी को 1.14 करोड़ रुपये का लाभ हो चुका है, जबकि इस अवधि में कर्ज घट कर 5.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया है।

भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता: अनिल अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र के दिग्गज वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल में कहा है कि भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता है।

वेदांता लि. के अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि दुनिया भर की सरकारें चीन पर निर्भरता कम करने के प्रयास में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन के लिए सहयोग बढ़ा रही हैं। चीन वर्तमान में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर हावी है। श्री अग्रवाल एक सोशल मीडिया पोस्ट में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में इस प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया से लेकर अमेरिका तक, सरकारें महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही हैं। इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करने की होड़ जारी है। उन्होंने कहा किइस वैश्विक होड़ के बीच भारत की विशाल भूगर्भीय संपदा देश को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है। श्री अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

कहा अपने समृद्ध भूगर्भीय संसाधनों के साथ, भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में अग्रणी देश बनने की पूरी क्षमता है।

उन्होंने कहा कि नीतिगत समर्थन, निजी क्षेत्र के निवेश और नवाचार के सही मिश्रण के साथ, भारत में इस उच्च-मूल्य, उच्च-दांव वाले क्षेत्र में एक विश्वसनीय, दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता बनने के लिए सभी आवश्यक तत्व मौजूद हैं।

एयरबस ने जुर्गन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोपीय एयरोस्पेस दिग्गज एयरबस ने जुर्गेन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया क्षेत्र का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। जुर्गेन 1 सितंबर को अपना कार्यभार संभालेंगे और रेमी मैलार्ड का स्थान लेंगे।

कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि अपनी नई भूमिका में जुर्गेन वेस्टरमियर भारत और दक्षिण एशिया में वाणिज्यिक विमान, रक्षा और अंतरिक्ष तथा हेलीकॉप्टरों के क्षेत्र में एयरबस के कारोबार का नेतृत्व करेंगे। उनकी नियुक्त 1 सितंबर से प्रभावी होगी। वे वाणिज्यिक विमानों की बिक्री और इस क्षेत्र में कंपनी के विस्तार के लिए जिम्?मेदार होंगे, जिसमें सेवाएं, इंजीनियरिंग, डिजिटल, नवाचार और प्रशिक्षण शामिल हैं। जुर्गेन वेस्टरमियर इस दृष्टिकोण से जुड़े कंपनी के अभियानों का समर्थन करके एयरबस की मेक इन इंडिया के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने में भी मदद करेंगे। कंपनी ने कहा कि 53 वर्षीय जुर्गेन 2020 में एयरबस में मुख्य खरीद अधिकारी

के रूप में शामिल हुए, जहां वे एयरबस के सभी विभागों में खरीद के प्रभारी थे। आपूर्तिकर्ताओं के साथ मजबूत साझेदारी बनाते हुए, उन्होंने कंपनी भर में खरीद प्रक्रियाओं और उपकरणों के विकास और अनुप्रयोग का नेतृत्व किया। जुर्गेन ने 1998 में बीएमडब्ल्यू में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने वहां सूचना सेवाओं, मोटरसाइकिल खरीद, गुणवत्ता प्रबंधन और आपूर्तिकर्ता नेटवर्क और लागत इंजीनियरिंग में रणनीतिक पदों पर कार्य किया। जुर्गेन वेस्टरमियर ने जर्मनी के कार्लजूए विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सेमीकंडक्टर और चिप्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए सभी आयातित सेमीकंडक्टर और चिप्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना की घोषणा की है। ओवल ऑफिस में एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ एक बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिका में आने वाले सभी चिप्स और सेमीकंडक्टर पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। लेकिन अगर आपने (अमेरिका में) निर्माण करने की प्रतिबद्धता जताई है, या अगर आप (अमेरिका में) निर्माण की प्रक्रिया में हैं, जैसा कि कई कंपनियां कर रही हैं, तो कोई टैरिफ नहीं लगेगा। अगर ट्रंप अपनी टैरिफ की धमकी पर अमल करते हैं, तो एप्पल, एनवीडिया और ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) जैसी कंपनियां, जिन्होंने अमेरिकी निवेश में महत्वपूर्ण निवेश का वादा किया है, इस छूट से लाभान्वित हो सकती हैं। इस उपाय का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय तकनीकी कंपनियों को संयुक्त राज्य अमेरिका में विनिर्माण कार्यों को स्थापित करने या विस्तार करने के लिए प्रेरित करना है और इस तरह विदेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम करना है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में उत्पादन में बढ़ते निवेश के कारण, एप्पल जैसी कंपनियों को इस छूट का लाभ मिल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, एप्पल जैसी कंपनियों के लिए अच्छी खबर यह है कि अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं या बिना किसी सवाल के अमेरिका में निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा। 100 प्रतिशत टैरिफ सभी आयातित सेमीकंडक्टर और चिप्स पर लागू होगा, जिससे ताइवान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर के प्रमुख आपूर्तिकर्ता प्रभावित होंगे।

हालांकि, अमेरिकी चिप निर्माण में एप्पल के 100 अरब डॉलर और टीएसएमसी के 165 अरब डॉलर के निवेश के अलावा, एनवीडिया और ग्लोबलफाउंड्रीज ने भी अपने कुछ उत्पादों का निर्माण अमेरिका में करने का वादा किया है।

अमेरिकी सरकार ने 7 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लागू किया है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद का हवाला देते हुए 27 अगस्त से एडिशनल 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि की धमकी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जवाब दिया कि देश किसानों और मछुआरों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।

कैश योर ड्राइव मार्केटिंग की शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली । आउटडोर एडवरटाइजिंग और मार्केटिंग सर्विसेज ऑफर करने वाली कंपनी कैश योर ड्राइव मार्केटिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 19.23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 155 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर के भाव में गिरावट आ गई। सुबह 10ः30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 152 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 16.92 प्रतिशत के मुनाफे में हैं। कैश योर ड्राइव मार्केटिंग का 60.79 करोड़ रुपये का आईपीओ

31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 81.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 76.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 135.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 62.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 58.10 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 2.07 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी तकनीकी संवर्धन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 9.22 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 17.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 32 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 142.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के अनुसार इस दौरान कंपनी का कर्ज लगातार कम हुआ है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में 5.06 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो 2023-24 आखिरी में में गिर कर के 45 लाख रुपये के सतर पर और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में 18 लाख रुपये के स्तर पर आ गया।

जियो ने MP-CG में 14 लाख से ज्यादा घरों को हाइ-स्पीड इंटरनेट से जोड़ा

एजेंसी

भोपाल। दुनिया की सबसे बड़ी फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) सर्विस प्रोवाइडर कंपनी रिलायंस जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल में सबसे ज्यादा मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े है। टेलीकॉम रेगुलेट्री अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की जून 2025 की रिपोर्ट में एक बार फिर जियो ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों को जोड़ा है। जून 2025 में रिलायंस जियो से 4.2 लाख मोबाइल ग्राहक जुड़े है। वहीं, जियो फाइबर और FWA जियो एयर फाइबर ब्रॉडबैंड सर्विस को 46 हजार से ज्यादा ग्राहकों ने अपनाया है। जबकि समान अवधि में एयरटेल के 16 हजार ब्रॉडबैंड ग्राहक बढ़े। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में सभी टेलीकॉम कंपनियों के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 8.1 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। वहीं,फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) और वायरलाइन ब्राडबैंड उपभोक्ता 26 लाख से ज्यादा है। इसमें जियो की मोबाइल ग्राहक 4.6 करोड़ और ब्रॉडबैंड ग्राहक 14.4 लाख से कहीं अधिक है। साथ ही मार्केट शेयर पर गौर करें तो मोबाइल उपभोक्ता में बाजार हिस्सेदारी 57 फिसदी और ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदाता में मार्केट शेयर 54.9 प्रतिशत है। फिक्सड वायरलेस एक्सेस (FWA) को सरल शब्दों में समझे तो घरों व दफ्तरों में उपलब्ध वाई-फाई सर्विस को FWA यानी फिक्सड वायरलेस एक्सेस सर्विस कहा जाता है। JIoAirfiber उच्च गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है,इससे उन दुर्गम क्षेत्रों में विशेष तौर पर उपयोगी हो जाता है।जहां फाइबर रोल आउट में समय लग सकता है। इस वजह से JioAirfiber तेज इंटरनेट एक्सेस चाहने वाले ग्राहकों के लिए पसंदीदा विकल्प बन चुका है।

निसान ने मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन भारत में किया लॉन्च, एक्स-शोरूम कीमत 8.30 लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का प्रीमियम ब्लैक थीम वाला नया निसान मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन लॉन्च किया। कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत (एक्स-शोरूम) 8.30 लाख रुपये रखी है। इसमें आकर्षक ब्लैक इंटीरियर थीम और जापानी शैली से प्रेरित डिजाइन है। एनएमआईपीएल ने जारी एक बयान में कहा कि नई निसान मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन 11,000 रुपये में बुकिंग के लिए उपलब्ध है। ग्राहक अधिकृत निसान मोटर इंडिया डीलरशिप के जरिए या निसान मोटर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट www.nissan.in पर

जाकर अपनी गाड़ी बुक कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी का एक आकर्षक और प्रीमियम, ब्लैक थीम वाला संस्करण है। ये कार 8.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) से शुरू होने वाली इस कुरो स्पेशल एडिशन में सबसे बोल्ड ब्लैक फिलॉसफी, सबसे बोल्ड स्टाइलिंग, आकर्षक इंटीरियर ब्लैक थीम और जापानी-प्रेरित डिजाइन का समावेश है। एनएमआईपीएल ने कहा कि मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन का नाम जापानी शब्द 'ब्लैक' से लिया गया है, जो परिष्कार और जापानी डिजाइन की सटीकता की एक उन्नत भावना का प्रतीक है। ये स्पेशल एडिशन एक अनूठी विजुअल पहचान प्रदान करता है, जिसमें ऑल-ब्लैक एक्सटीरियर और इंटीरियर है, जो बाहर और अंदर दोनों जगह इसे प्रीमियम, प्रभावशाली और स्टाइलिश लुक देता है। कंपनी ने बताया कि ग्राहकों के अनुभव और सुविधा को बेहतर बनाने के लिए मैग्नाइट कुरो स्पेशल एडिशन निसान के वेबसाइट पर एक प्रभावशाली 3ष्ठ कॉन्फिगरेटर के जरिए उपलब्ध है, जिसमें फोटोरियलिस्टिक विजुअल्स, फ़ीचर इंटरैक्शन और एंड-टू-एंड जर्नी शामिल है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। यह पहले लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ से अतिरिक्त होगा। इस तरह भारत पर अब 50 फीसदी टैरिफ होगा।

भारत के साथ व्यापार तनाव को और तेज करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे यह बढ़कर कुल 50 फीसदी हो गया है। इससे पहले 30 जुलाई को ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था

कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। उन्होंने घोषणा की थी कि वह अगले 24 घंटों में नई दिल्ली पर टैरिफ काफी हद तक बढ़ा देंगे क्योंकि वह रूस से तेल खरीद रहा है। ट्रंप की ओर से साइन किए गए आदेश के मुताबिक यह टैरिफ 21 दिनों के भीतर प्रभाव में आएगा, जो 27 अगस्त, 2025 से भारत से अमेरिका को भेजे जाने वाले सामानों पर लागू होगा। हालांकि, जो वस्तुएं इस तारीख से पहले रवाना हो चुकी होंगी, वो 17 सितंबर 2025 से पहले अमेरिका पहुंच जाएंगी, उन्हें इस शुल्क से छूट मिलेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह टैरिफ अन्य सभी शुल्कों और टैक्स के अतिरिक होगा, जबकि कुछ खास मामलों में छूट भी दी जा सकती है।

दावा निपटान प्रक्रिया के मानकीकरण का एसबीआई ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष सी.एस. सेट्टी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को स्थिर रखने के फैसले को 'अपेक्षित' बताते हुये जमा खाता और बैंक लॉकर के ग्राहकों की मृत्यु की स्थिति में नॉमिनी के दावा निपटान की प्रक्रिया के मानकीकरण के स्वागत योग्य कदम बताया है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन चली बैठक के बाद रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने की घोषणा की। साथ ही उसने कहा है कि जमा खातों और बैंक लॉकर के ग्राहकों की मृत्यु की स्थिति में परिवार के सदस्यों/नॉमिनी के दावे के निपटान के लिए हर बैंक में अलग-अलग प्रक्रिया है। केंद्रीय बैंक इन प्रक्रियों और जरूरी दस्तावेजों की सूची में एकरूपता लाने के लिए जल्द ही मानक नियमों का प्रारूप जारी करेगा।श्री सेट्टी ने आरबीआई के फैसलों पर कहा कि ब्याज दरों को यथावत रखने का एमपीसी का निर्णय अधिकांशतः 'अपेक्षित आधार पर' था, जो नीतिगत, व्यापार संबंधी धीमी प्रतिक्रिया और कुछ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति के निम्नतम स्तर से उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच निहित था। वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति 3.1 प्रतिशत पर नियंत्रण में रहने की संभावना है, और बाहरी मांग तथा आपूर्ति संबंधी चिंताओं के बावजूद विकास की गति बरकरार रहने की उम्मीद है। एसबीआई अध्यक्ष ने कहा कि नियामक और विकास नीति के संदर्भ में मृतक ग्राहकों के मामले में दावों के निपटान के लिए दस्तावेजीकरण के मानकीकरण पर प्रस्तावित दिशा-निर्देश एक स्वागत योग्य कदम है।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 100 रुपये से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये से लेकर 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,810 रुपये से लेकर 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,16,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नेपाल संसद में अब नहीं पेश होगा बहुविवाह से संबंधित कोई भी विधेयक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के कानून मंत्री अजय कुमार चौरासिया ने संसद में आश्वासन दिया कि बहुविवाह से संबंधित कोई भी विधेयक संसद में प्रस्तुत नहीं किया जाएगा, जो सामाजिक मूल्यों और मानदंडों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। प्रतिनिधि सभा की बैठक में मंत्री चौरासिया ने सांसदों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालने या बहुविवाह जैसे सामाजिक मूल्यों और मानदंडों का खंडन करने वाले किसी भी विधेयक को सदन में पेश नहीं किया जाएगा। मंत्री चौरासिया ने मीडिया और सोशल नेटवर्क में प्रसारित अटकलों की व्याख्याओं के कारण जनता के बीच भ्रम और आक्रोश पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आपराधिक संहिता और अन्य कानूनों के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से प्रस्तावों के संबंध में कुछ मीडिया आउटलेट्स और सोशल मीडिया में धारणाओं के आधार पर विभिन्न व्याख्याओं ने आम जनता के बीच गलतफहमी और गुस्सा पैदा कर दिया है। मंत्री चौरासिया ने जोर देकर कहा कि कोई भी ऐसे कानूनों का मसौदा तैयार करने के लिए सहमत नहीं हो सकता है, जो मौजूदा सामाजिक व्यवस्था को बाधित करेंगे। उन्होंने दोहराया कि कोई भी सामाजिक व्यवस्था को बाधित करने वाले कानून का मसौदा तैयार करने के लिए उनका मंत्रालय सहमत नहीं हो सकता है।

बीएनपी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार की चुनाव घोषणा को ऐतिहासिक बताया

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के मंगलवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन का स्वागत किया है। बीएनपी ने प्रो. यूनुस के अगले साल फरवरी में चुनाव कराने की घोषणा को ऐतिहासिक बताया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने राजधानी ढाका के गुलशन स्थित बीएनपी अध्यक्ष के कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आधिकारिक प्रतिक्रिया में यह बात कही। बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक घोषणा बांग्लादेश के राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करेगी और लोकतंत्र की ओर हमारी यात्रा को प्रशस्त करेगी। मिर्जा फखरुल ने कहा, बीएनपी को उम्मीद है कि सरकार और चुनाव आयोग आगामी चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ और सभी के लिए स्वीकार्य बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। पार्टी सभी राजनीतिक दलों और जनता से एक प्रभावी राष्ट्रीय संसद बनाने की दिशा में काम करने का पुरजोर आह्वान करती है। बीएनपी महासचिव ने इस चुनाव को बेहद अहम बताते हुए कहा कि देश की जनता अब स्वयं कानून-व्यवस्था की सबसे मजबूत रक्षक बनकर खड़ी होगी।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

काठमांड। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज लैंडलॉक्ड विकासशील देशों (एलएलडीसी) पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सर्दार बर्दिमुहामेदो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने तुर्कमेनिस्तान को एलएलडीसी के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही नेपाल के साथ मिल कर पर्यटन क्षेत्र में विकास करने का भी आग्रह किया। अपने सोशल मीडिया एक्स पर इस मुलाकात के बारे में पोस्ट करते हुए ओली ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति को नेपाल भ्रमण का निमंत्रण देने की जानकारी दी। इससे पहले आज पीएम ओली ने सम्मेलन में व्यापार सुविधा और क्षेत्रीय सहयोग पर गोलमेज सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। सत्र में उन्होंने एलएलडीसी के सामने आने वाली संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग और व्यापार सुविधा उपायों को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। गोलमेज सम्मेलन में व्यापार बाधाओं को कम करने, संपर्क अवसंरचना में सुधार करने और भूमि से घिरे देशों के बीच आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

शिकागो में आग्नेयास्त्र और मशीनगन का जखीरा बरामद, 41 गिरफ्तार

शिकागो। संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी इलिनोइस राज्य के प्रमुख शहर शिकागो में संघीय और स्थानीय अधिकारियों ने आग्नेयास्त्र और मशीनगन का जखीरा पकड़ा है। इन हथियारों की आपूर्ति शिकागो और पूरे अमेरिका में अपराधियों को की जानी थी। इस सिलसिले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया।अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) और शिकागो पुलिस विभाग ने पांच अगस्त को 41 लोगों की गिरफ्तारी की घोषणा की। इनमें एक ऐसा व्यक्ति भी शामिल है, जिसे पहले सामूहिक गोलीबारी की धमकी देने का दोषी ठहराया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि एटीएफ और पुलिस ने 171 आग्नेयास्त्र और 64 मशीनगन बरामद की हैं। दो माह तक चले इस धरपकड़ अभियान का नेतृत्व शिकागो के एटीएफ के क्राइम गन इंटेलिजेंस सेंटर ने किया। शिकागो के पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, यह अभियान विभाग के लिए बड़ी सफलता है। बंदूक हिंसा में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए 41 लोगों में से 18 पर संघीय अदालत में मुकदमा चल रहा है।

बीएलए ने तुर्बत में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली, दो जवानों को मारने का दावा

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत शहर के पास पाकिस्तान के एक सैन्य काफिले पर हुए बम हमले की जिम्मेदारी ली। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान के दो सैन्य कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में कहा कि लड़ाकों ने तुर्बत के बाहरी इलाके में गोगदान-सोराप पुल के पास रिमोट-नियंत्रित आईईडी से पाकिस्तान की सेना के तीन वाहनों वाले काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा

गया है कि पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तुर्बत में हुआ यह हमला पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बलूच सशस्त्र समूहों के बड़े अभियान का हिस्सा है। पिछले तीन सप्ताह में दर्जनों सैन्यकर्मी मारे गए हैं। इनमें मेजर रैंक के कई अधिकारी भी शामिल हैं। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि 16 जुलाई को मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन जिले में किए गए उसके हमले में मारे गए। इसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली थी। तीन दिन बाद मेजर अनवर काकर क्रेटा के जबल-ए-नूर के पास एक बम विस्फोट में मारे गए। इस विस्फोट को बीएलए के विशेष सामरिक अभियान दस्ते (एसटीओएस) ने अंजाम दिया। इसके अलावा 23 जुलाई को मेजर जैद सलीम मस्तुंग के पहाड़ी क्षेत्र में बीएलए लड़ाकों के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए। हाल ही में 5 अगस्त को मेजर रिजवान नुश्की में सड़क किनारे हुए एक आईईडी विस्फोट में मारे गए। मेजर जैद की हत्या की जिम्मेदारी बीएलए ने ली थी।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी किम से आपराधिक संदिग्ध के रूप में हुई पूछताछ

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम कियोन ही से अभियोजन पक्ष ने आपराधिक संदिग्ध के रूप में पूछताछ की है। इस तरह की पूछताछ में शामिल होने वाली किम पहली पूर्व प्रथम महिला हैं। 52 वर्षीय किम बुधवार सुबह मिन जोंग-की के नेतृत्व वाली एक विशेष वकील टीम के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित हुईं। इस टीम को पूर्व प्रथम महिला से जुड़े आरोपों की जांच का काम सौंपा गया है।द कोरिया हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार किम से पूछताछ 02 जुलाई को टीम के आधिकारिक रूप से गठित होने के लगभग एक महीने बाद हुई है। किम ने जांच में शामिल होने से पहले पत्रकारों से कहा, मैं लोगों से ईमानदारी से क्षमा चाहती हूं। मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगी। हालांकि, पूर्व प्रथम महिला ली सून-जा (पूर्व राष्ट्रपति चुन डू-ह्वान की पत्नी) और क्वोन यांग-सूक (पूर्व राष्ट्रपति रोह मू-ह्यून की पत्नी) को अभियोजन पक्ष ने क्रमशः 2004 और 2009 में तलब किया था, लेकिन उनसे संदिग्ध के रूप में पूछताछ नहीं की गई।सहायक विशेष वकील मून होंग-जू ने ब्रीफिंग में बताया कि जांच आधी से अधिक पूरी हो चुकी है। उनसे आयातित कार डीलर डॉयच मोटर्स के शेयर मूल्य में हेराफेरी, रिश्वतखोरी के एक मामले और 2022 के उपचुनाव में प्रभाव डालने के मामले में उनकी कथित संलिप्तता से संबंधित विषयों पर पूछताछ की गई। रिश्वतखोरी का मामला किम के जियोन सियोंग-बे से संबंधों से जुड़ा है। पूर्व प्रथम महिला किम से 29 नवंबर तक पूछताछ जारी रह सकती है।

बलूचिस्तान पुलिस ने शिया तीर्थयात्रियों के विरोध मार्च को हब नदी पुल पर रोका

एजेंसी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लुम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की संघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है। इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर ताफ्तान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया। द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल (एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं। मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं। चेहल्लुम आशूरा के चालीस दिन बाद पड़ता है। चेहल्लुम

के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं। पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं। बलूच यकजेहती समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए। बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संवैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है।

ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आज यहां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मुलाकात की। दोनों के बीच हुई बातचीत का विवरण साझा नहीं किया गया। क्रेमलिन ने यह जरूर कहा कि यह बातचीत व्हाइट हाउस के रूस को यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने के लिए दी गई समय सीमा से कुछ दिन पहले हुई है। ट्रंप ने कहा है कि शांति न करने पर रूस को गंभीर आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। इसका असर रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भी पड़ सकता है। न्यूज चैनल ने रूस के सरकारी मीडिया के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि यह बैठक लगभग तीन घंटे तक चली। दोनों पक्षों में से किसी ने भी बातचीत का तत्काल ब्यौरा नहीं दिया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के प्रसारित एक वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि विटकॉफ ने क्रेमलिन से कुछ ही दूरी पर स्थित जार्यादे पार्क में रूसी राष्ट्रपति के निवेश एवं आर्थिक सहयोग दूत किरिल दिमित्रिएव के साथ सुबह सैर की। दिमित्रीव ने हाल के महीनों में इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच तीन दौर की सीधी वार्ता के अलावा रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच चर्चा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रूस के अपने पड़ोसी पर आक्रमण के बाद तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने की दिशा में वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई है। पुतिन के लिए ट्रंप की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो रही है। वाशिंगटन ने धमकी दी है कि अगर युद्ध नहीं रुका तो कठोर शुल्क और अन्य आर्थिक दंड लगाए जाएंगे। ट्रंप यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर रूस के बढ़ते हमलों से चिंतित हैं। वह कह चुके हैं कि पुतिन ने उन्हें निराश किया है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने बताया है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और स्टीव विटकॉफ के बीच क्रेमलिन में हुई बैठक में रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव भी शामिल हुए। बातचीत खत्म होने के तुरंत बाद विटकॉफ का काफिला क्रेमलिन से बाहर निकल गया। तास के अनुसार, ट्रंप ने वाशिंगटन में कहा कि वह यूक्रेन में जारी सैन्य संघर्ष को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, यह बाइडेन का युद्ध है। यह मेरा युद्ध नहीं है। मैं इसे रोकने के लिए यहां हूं। उन्होंने कहा, मैंने पिछले पांच महीनों में पांच युद्ध रोके हैं। और मैं चाहता हूं कि यह छठा युद्ध हो। सीबीएस न्यूज के अनुसार पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि पुतिन गंभीर बातचीत से बच रहे हैं। अग्रिम मोर्चे पर स्थिति यूक्रेनी सेना के लिए गंभीर है।

अमेरिका में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले दिग्गज संगीतकार एडी पाल्मिएरी का निधन

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले 20वीं सदी के महान संगीतगार एडी पाल्मिएरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 88 वर्षीय पाल्मिएरी ने न्यू जर्सी के हैकेनसैक स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। उनकी सबसे छोटी बेटी गैब्रिएला ने उनके निधन की पुष्टि की। पियानोवादक और बैंड लीडर पाल्मिएरी का सर्वाधिक योगदान अफ्रीकी-कैरेबियाई संगीत के साल्सा में है। जीवंत नृत्य शैली से भरपूर साल्सा को लयबद्ध और जोशीला संगीत माना जाता है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, एडी ने 1961 में पहला आठ सदस्यों वाला ला परफेक्टा बैंड स्थापित किया। उन्होंने इसके माध्यम से लैटिन संगीत में कई शैलीगत बदलाव किए। इससे उन्हें आय के रूप में अकूत संपत्ति प्राप्त हुई। उन्होंने कभी भी नवाचार करना बंद नहीं

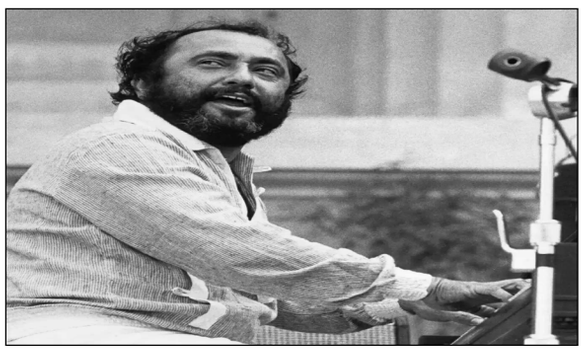

किया। 1970 के दशक में पाल्मिएरी ने वामोनोस पाल मोंटे और द सन ऑफ लैटिन म्यूज़िक सहित कई बेहद लोकप्रिय एलबम में जैज, रॉक, फंक और यहां तक कि आधुनिक शास्त्रीय संगीत के साथ साल्सा को भी शामिल किया। उन्होंने फ्यूजन बैंड हार्लेम रिवर ड्राइव के साथ भी काम किया। जैज संगीतकार कैल त्जादर, ब्रायन लिंच और डोनाल्ड हैरिसन के साथ उनकी जोड़ी ने भरपूर ख्याति अर्जित की। पाल्मिएरी ने हरदम जैज पियानोवादक मैकॉय टाइनर और थेलोनियस मोंक को अपना प्रेरक माना। प्यूर्टो रिकान संस्कृति के विद्वान जुआन फ्लोरेस ने साल्सा राइजिंग- न्यूयॉर्क लैटिन म्यूजिक ऑफ द सिक्सटीज जेनरेशन (2016) में लिखा है कि पाल्मिएरी साल्सा के सांस्कृतिक आंदोलन के प्रमुख प्रवर्तक हैं। उन्हें 2013 में नेशनल एंडोमेंट फॉर द आर्ट्स ने जैज मास्टर की उपाधि दी। लैटिन ग्रैमी में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि वह कभी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। पाल्मिएरी खुद को न्यूयॉर्क के मजदूर वर्ग और प्यूर्टो रिकान इलाकों का राजदूत मानते थे। वह अपने पिता के आइसक्रीम पार्लर में एग क्रीम परोसते हुए बड़े हुए।वर्षों तक उन्होंने आंतरिक राजस्व सेवा को कर देने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के तीन जवानों की हत्या

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर-पश्चिम में करक के गरागरी इलाके में आज अज्ञात बंदूकधारियों ने गश्त कर रही फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) टीम पर घात लगाकर हमला करके तीन जवानों की हत्या कर दी। जिला पुलिस अधिकारी शहबाज इलाही ने बताया कि एफसी टीम इलाके में संचालित एक गैस कंपनी की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थी। डान अखबार की खबर में इस हमले में चालक समेत चार सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हमले की निंदा करते हुए हमलावरों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। गंडापुर ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राज्यपाल फैसल कुंडी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दिया गया बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार इससे पहले मंगलवार रात पेशावर में एक अलग घटना में वारसाक रोड पर पुलिस इंस्पेक्टर अली हुसैन समेत तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार तीन मोटरसाइकिलों पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने हुसैन की कार पर उस समय गोलीबारी की जब वह अपने दो दोस्तों के साथ यात्रा कर रहे थे। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पाकिस्तान में 2021 के बाद से खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। हालांकि, इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार जून में देश में आतंकवादी हमलों में मामूली कमी देखी गई। इस संगठन ने इस महीने देश भर में 78 आतंकवादी हमले दर्ज किए।

चीन यारलुंग जंग्बो बांध से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में सक्षम हो जाएगा-रिपोर्ट

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अपनी सीमा के अंदर भारत से मात्र 30 किलोमीटर दूर यारलुंग जंग्बो नदी पर बांध बनाना शुरू कर दिया है। यारलुंग जंग्बो नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। यारलुंग जंग्बो बांध परियोजना का निर्माण पूरा होने के बाद चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में पूरी तरह सक्षम हो जाएगा। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में पांच अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में चीन की जल महत्वाकांक्षा पर चर्चा की गई है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर की रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक ऐसे जल प्रभुत्व के रूप में उभरेगी जो बीजिंग के रणनीतिक लाभ के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार जल प्रवाह में हेरफेर करने में सक्षम होगी।

हालांकि बीजिंग इसे अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन और तिब्बत विकास योजना के हिस्से के रूप में प्रचारित कर रहा है। सच यह है कि यह परियोजना उसके सुनियोजित भू-राजनीतिक आधिपत्य की ओर इशारा करती है। इसका विस्तार ऊर्जा सुरक्षा संबंधी विचार से कहीं आगे तक है।रिपोर्ट के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर पूरे दक्षिण एशिया में जल को एक रणनीतिक हथियार में बदलने का संकेत दे चुके हैं। यह परियोजना श्री गॉर्जेस बांध को पीछे छोड़ते हुए लगभग 70 गीगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। चीन ने इस परियोजना पर काम क्षेत्रीय तनाव के दौर में शुरू किया है। चीन वैसे भी तिब्बती पठार पर बसे समुदायों और साथ क्षेत्र के विशाल जल संसाधनों पर नियंत्रण मजबूत करने का दुस्साहस करता रहता है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर के अनुसार, चीन के इंजीनियर पांच चरणबद्ध विद्युत उत्पादन सुविधा की विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से नदी के प्रवाह को को मोड़ने के लिए नामचा बरवा पर्वतमाला के नीचे 20 किलोमीटर लंबे कई मार्गों पर खुदाई का प्रस्ताव किया है।

प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने भारत के विदेश सचिव करेंगे काठमांडू का दौरा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का निमंत्रण देने के लिए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री काठमांडू का दौरा करने वाले हैं। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के निमंत्रण पर भारत के विदेश सचिव 17 अगस्त को काठमांडू आने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक विक्रम मिस्री 17-18 अगस्त दो दिनों की यात्रा पर आ रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान भारतीय विदेश सचिव नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण सौंपने वाले हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र को ओली को सौंपने के साथ ही पिछले एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद यह भ्रमण सुनिश्चित हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ओली के 16-17 सितंबर को भारत भ्रमण पर जाने की उम्मीद है। इस बारे में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से पहले ही जानकारी दी जा चुकी है।

अमेरिकी सैन्य अड्डे पर गोलीबारी, 5 सैनिक घायल

जॉर्जिया। जॉर्जिया के दक्षिण-पूर्व में स्थित फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य अड्डे पर गोलीबारी की घटना में पांच सैनिक घायल हो गए हैं। यह जानकारी अड्डे के आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट से मिली है। फोर्ट के एक आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी गई। तीसरे इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडिंग जनरल जॉन लुबास के अनुसार, संदिग्ध की पहचान क्रॉर्नेलियस रैडफोर्ड है के रुप में हुई, जो एक स्वचालित लॉजिस्टिक्स सार्जेंट है। रैडफोर्ड ने अपनी निजी बंदूक से अपने साथी सैनिकों पर हमला किया। लुबास ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यह कोई सैन्य हथियार नहीं था। हमारा मानना है कि यह एक निजी पिस्तौल थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें अभी तक मकसद के बारे में पूरी तरह से पता नहीं है, लेकिन सेना के जांचकर्ताओं ने उससे पूछताछ की है और हमें लगता है कि जल्द ही हमें और जानकारी मिलेगी। समाचार एजेंसी के अनुसार, शूटर को पहले स्थानीय स्तर पर नशे में गाड़ी चलाने के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। बेस में सुबह 11:04 बजे (स्थानीय समय) लॉकडाउन लगाया गया और दोपहर में इसे पूरी तरह हटा लिया गया। फोर्ट ने बताया कि घायल सैनिकों का मौके पर इलाज किया गया और फिर विन आर्मी कम्युनिटी हॉस्पिटल ले जाया गया।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के डगमगाने के बीच 60 से अधिक देशों पर ट्रंप का टैरिफ प्रभावी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से महीनों से जारी उठापटक का आर्थिक असर साफ दिख रहा है। देश की डगमगा रही अर्थव्यवस्था के बीच 60 से अधिक देशों और यूरोपीय संघ पर आयात पर राष्ट्रपति की निर्धारित की गई टैरिफ (शुल्क) दर आज से प्रभावी हो गई। इसी के साथ भारत से आयात पर घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण भी प्रभावी हो गया। सीबीएस न्यूज के अनुसार, व्हाइट हाउस ने कहा कि मध्यरात्रि (पूर्वी समयानुसार) के ठीक बाद से 60 से ज्यादा देशों और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक की टैरिफ दरें लागू हो गईं। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के उत्पादों पर 15 प्रतिशत कर लगाया गया है। ताइवान, वियतनाम और बांग्लादेश से आयात पर 20 प्रतिशत कर प्रभावी हो गया। ट्रंप को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करेंगे।राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस की इस घोषणा के फौरन बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, आधी रात हो गई है!!! अरबों डॉलर के टैरिफ अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं! व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में लगभग 60 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। इस 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा ट्रंप ने कल भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया। इसके बाद

भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। यह अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप और व्हाइट हाउस को विश्वास है कि इस टैरिफ की शुरुआत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा के बारे में स्पष्टता प्रदान करेगी। प्रशासन का मानना है कि वह नए निवेश को बढ़ावा दे सकता है। बावजूद इसके अमेरिका को खुद पर लगे जख्मों के संकेत मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में राष्ट्रपति के टैरिफ की प्रारंभिक शुरुआत के साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई। इससे बाजार में हलचल मच गई। इसके बाद बातचीत का दौर चला और ट्रम्प ने 07 अगस्त से सार्वभौमिक टैरिफ लागू करने का अंतिम फैसला लिया। डायनेमिक इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी के सीईओ जॉन सिल्विया ने कहा कि अप्रैल के बाद आर्थिक रिपोर्टों से पता चला कि भर्तियां रुक गई हैं। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया और प्रमुख बाजारों में गिरावट शुरू हो गई। सिल्विया ने एक विश्लेषण नोट में कहा, कम उत्पादक अर्थव्यवस्था में कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन इससे भी अधिक ऊंची टैरिफ दरें श्रमिकों के वास्तविक वेतन को कम करती हैं। अर्थव्यवस्था कम उत्पादक हो गई है, और कंपनियां पहले जैसा वास्तविक वेतन नहीं दे सकतीं।

आज संगठन महामंत्री प्रदेश जम्मू कश्मीर भाजपा श्री अशोक कौल जी ने विकसित भारत का अमृतकाल दृष्टिकोण के तहत भाजपा जम्मू बॉर्डर जिला के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा बैठक की, इस मौके पर पूर्व मंत्री चौधरी शाम लाल जी, जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी जी, विद्यायक सुचेतगढ़ प्रोफेसर गुरू राम जी, पूर्व विद्यायक अश्वनी शर्मा जी व अन्य लोग उपस्थित रहे.

उधमपुर के उपायुक्त ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मामलों की प्रगति की समीक्षा की, लंबित मामलों के निपटारे की समय सीमा तय की

उधमपुर 07 अगस्त। किसानों के बीमा दावों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए, उधमपुर उपायुक्त सलोनी राय ने योजना के तहत लंबित मामलों के निपटारे में प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने सभी लंबित पीएमएफबीवाई दावों की बैंकवार समीक्षा की और देरी व बाधाओं का आकलन किया। उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा और फसल नुकसान के लिए समय पर वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने हेतु प्रक्रिया में तेजी लाने के महत्व पर बल दिया।

सभी संबंधित बैंकों और विभागों के लिए लंबित मामलों का निपटारा करने हेतु 14 अगस्त तक की समय-सीमा निर्धारित की गई। उपायुक्त ने सभी हितधारकों को देरी को दूर करने और लाभों का निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक सक्रिय और समन्वित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों के समक्ष उपस्थित समस्याओं की समीक्षा की

श्रीनगर 07 अगस्त। जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश में संचालित विभिन्न विश्वविद्यालयों के समक्ष उपस्थित समस्याओं का जायजा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य इन संस्थानों के शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक विकास में बाधा डाल रहे लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना था।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शांतमनु, वित्त, लोक निर्माण और कृषि उत्पादन विभागों के प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास सचिव, जम्मू-कश्मीर के संभागीय आयुक्त, संबंधित उपायुक्त, जेपीडीसीएल और केपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, बजट महानिदेशक, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जम्मू-कश्मीर के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों ने भी भाग लिया।

विचार-विमर्श के दौरान, मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालयों और संबंधित विभागों के बीच समय पर हस्तक्षेप और निर्बाध समन्वय के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने मुद्दों के समाधान में अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश के शैक्षिक और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग को इन संस्थानों में चल रही सभी नवीन गतिविधियों, जैसे अनुसंधान परियोजनाओं, पेटेंट, स्टार्ट-अप और अन्य अनूठी शैक्षणिक पहलों का दस्तावेजीकरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के दस्तावेजीकरण से ज्ञान साझा करने और केंद्र शासित प्रदेश में अन्य सफल मॉडलों को अपनाने में मदद मिलेगी।

मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालयों से विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों के क्षमता निर्माण के लिए क्रैश कोर्स तैयार करने का भी आग्रह किया। उन्होंने सभी कौशल विकास और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की मैपिंग करने का भी निर्देश दिया, ताकि शैक्षणिक पेशकशों को बाजार और शासन की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके।

उच्च शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालयों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों का अवलोकन प्रस्तुत किया और उन समस्याओं पर भी प्रकाश डाला जिनका अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से पहले ही समाधान किया जा चुका है।

विश्वविद्यालय-वार मूल्यांकन करते हुए, मुख्य सचिव ने संस्थान-विशिष्ट बाधाओं को समझने के लिए प्रत्येक उपकुलपति से सीधे संपर्क किया। इनमें भूमि हस्तांतरण, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों का सृजन, अतिरिक्त धन का आवंटन, बुनियादी ढाँचे में वृद्धि, चल रहे निर्माण कार्यों में देरी और अन्य परिचालन चुनौतियाँ शामिल थीं।

मुख्य सचिव ने इन मुद्दों को समयबद्ध और मिशन-मोड तरीके से हल करने के लिए संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश जारी किए तथा त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, क्लस्टर विश्वविद्यालय श्रीनगर, क्लस्टर विश्वविद्यालय जम्मू, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, इस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर और जम्मू शामिल थे। मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए बैठक का समापन किया और सभी हितधारकों को इन महत्वपूर्ण संस्थानों के सामने आने वाली किसी भी बाधा को दूर करने के लिए निरंतर जुड़ाव और निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

योगी कैबिनेट का बड़ा निर्णय - अब यूपी के छात्र यूके में ले सकेंगे मास्टर डिग्री

लखनऊ, 07 अगस्त । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उच्च शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना卐 को मंजूरी दे दी गई है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

हर साल 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अवसरप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की इस पहल के तहत, हर साल उत्तर प्रदेश के 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को यूके के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एक वर्ष की मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस योजना को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की असाधारण उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए प्रारंभ किया जा रहा है। यह छात्रवृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार तथा यूनाइटेड किंगडम के फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) के संयुक्त सहयोग से चलाई जाएगी।

तीन वर्षों तक जारी रहेगी योजनाउन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति में छात्रों को शैक्षणिक शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता तथा इकोनॉमी क्लास में एक बार आने-जाने का विमान किराया भी शामिल रहेगा। चयन प्रक्रिया राज्य सरकार और एफसीडीओ के बीच हुए समझौते (एमओयू) के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगी और यह तीन वर्षों (2025-26, 2026-27, 2027-28) तक प्रभावी रहेगी। आगे इसके नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा। 2028-29 में योजना को जारी रखने के लिए 30 मार्च 2028 तक पुनः अनुमोदन की आवश्यकता होगी।

प्रदेश के छात्रों के लिए खुलेंगे वैश्विक शिक्षा के द्वारराज्य सरकार इस योजना के तहत प्रत्येक छात्र के लिए लगभग 19,800 पाउंड (लगभग 23 लाख) का खर्च वहन करेगी। कुल अनुमानित खर्च 38,048 से 42,076 पाउंड के बीच होगा, जिसमें शेष धनराशि का प्रबंध एफसीडीओ यूके द्वारा किया जाएगा। योगेन्द्र उपाध्याय के अनुसार, यह योजना उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए वैश्विक शिक्षा के द्वार खोलेगी और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगी।

औद्योगिक आस्थान और लेदर फुटवियर नीति को मिली मंजूरीयोगी कैबिनेट ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण नीतियों को मंजूरी दी है। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री राकेश सचान ने निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों नीतियों से न केवल औद्योगिक आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति के अंतर्गत अब औद्योगिक भूखंडों/शेडों का आवंटन लीज/रेंट के आधार पर ई-ऑक्शन से किया जाएगा। भूखंडों की दर क्षेत्रवार तय की गई है, जिसमें पश्चिमांचल में 3000, मध्यांचल में 2500 और पूर्वांचल/बुंदेलखंड में 2000 प्रति वर्गमीटर आरक्षित मूल्य रखा गया है। इसके साथ ही हर वर्ष 5 फीसदी की दर से मूल्य वृद्धि होगी। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति-2025 को भी स्वीकृति दी गई है। इस नीति के जरिए निर्यात में बढ़ोतरी, तकनीकी उन्नयन और रोजगार सृजन के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। कुशल श्रमिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित होंगे। इस नीति से घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में नामांतरण और संशोधन की प्रक्रिया होगी अब आसानकैबिनेट ने ग्रामीण आबादी के दस्तावेजों को अपडेट करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी दी है। यह विधेयक स्वामित्व योजना के तहत तैयार की गई घरौनियों (मालिकाना दस्तावेज) में नामांतरण, संशोधन और अपडेट की प्रक्रिया को आसान बनाएगा। इससे अब वरासत, विक्रय, उपहार, वसीयत, नीलामी, अदालत के आदेश या पारिवारिक समझौते के आधार पर नाम बदलवाना आसान होगा। राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार/नायब तहसीलदार को साफ-सुथरे मामलों में घरौनी अपडेट करने का अधिकार मिलेगा। लिपिकीय त्रुटि या मोबाइल नंबर-पते में सुधार के लिए भी अब आवेदन किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि अब तक प्रदेश में 1.06 करोड़ से अधिक घरौनियां तैयार हो चुकी हैं, जिनमें से 1.01 करोड़ से अधिक का वितरण हो चुका है।

हथकरघा स्वावलंबन का प्रतीक, आज़ादी के अहिंसक आंदोलन का बना था हथियार -शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 7 अगस्त । केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर कृषि भवन से देशभर में स्वयं सहायता समूहों की लाखों दीदियों से वर्चुअल संवाद किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह ने कहा कि महिलाएं, शक्ति का स्वरूप और रचनात्मकता का अद्वितीय उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि हथकरघा स्वावलंबन का प्रतीक है। हथकरघा, आजादी के अहिंसक आंदोलन का हथियार भी रहा। हजारों साल पहले से हमारे ग्रामीण कारीगरों की अद्भुत कला ने ना केवल भारत बल्कि दुनिया के देशों में अपनी पहचान स्थापित की।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की दीदियों के अद्भुत कौशल ने स्थानीय कला और संस्कृति को जीवंत करने का बड़ा काम किया है। उनकी रचनाएं भारत की सांस्कृतिक पहचान स्थापित करने और लोक कलाओं को अभिव्यक्त करने का माध्यम बनी हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मार्केटिंग और ब्रांडिंग को लेकर बहनों द्वारा कुछ विषय संज्ञान में लाए गए हैं, जिन पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का समय डिजाइन की मांग पर आधारित है, इसी दिशा में

प्रशिक्षण को लेकर आगे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता सदैव उच्च बनाने रखने का भी आह्वान किया।

शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। प्रधानमंत्रीजी ने स्वदेशी उत्पाद अपनाने का मंत्र दिया है। आज प्रधानमंत्री ने यह फिर से स्पष्ट किया कि दुनिया में कोई भी समझौता देश के किसानों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को नजरअंदाज करके नहीं किया जाएगा। हमारे लिए राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं, उससे समझौता बिल्कुल नहीं होगा, चाहे उसके लिए उन्हें स्वयं व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठाना पड़े।

शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के यह शब्द ऊर्जा का संचार करने वाले हैं। यह विकसित भारत की संकल्पना को बल देते हैं, इसलिए हम सभी को भी राष्ट्र प्रथम के भाव को ऊपर उठाते हुए, अपने ही देश में निर्मित उत्पादों की ओर रूख करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्वयं सहायता समूहों की दीदियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह मिशन प्रधानमंत्री मोदी के हृदय के भी बेहद करीब है। अब तक देश में डेढ करोड़ से ज्यादा दीदियां लखपति बन चुकी हैं। 2 करोड़ लखपति दीदियां बनाने की दिशा में हम अग्रसर है और जल्द की इस मिशन के तहत 3 करोड़ दीदियों को लखपति बनाने के लक्ष्य की पूर्ति कर ली जाएगी।

स्वदेशी अपनाने के संकल्प को दोहराते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने देशवासियों से आह्वान किया कि आबादी को ही ताकत में बदलने का काम करें। रक्षाबंधन एवं आगामी अन्य उत्सवों व त्योहारों में देश में निर्मित उत्पादों का ही प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से यही संदेश देना चाहता हूं कि हम राष्ट्र प्रथम के भाव को ऊपर रखते हुए तय करें कि देश में बना हुआ समान ही खरीदेंगे।

शिवराज सिंह ने कहा कि स्वदेशी का मंत्र अपनाने से व्यापक स्तर पर बाजार विकल्प खुल खुल जाएंगे, अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हमें वोकल फार लोकल की दिशा में ही आगे बढ़ना होगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'स्वदेशी अपनाने और स्वाभिमान बढ़ाने' के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यहां दीदियों ने अपने उत्पाद भी स्टाल्स पर प्रदर्शित किए, जिनका चौहान ने अवलोकन किया और उनकी मेहनत की खुलेदिल से सराहना की।

कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने अनुभव साझा करते हुए, उनके जीवन में हुई प्रगति को जाहिर किया। दीदियों ने बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से उनके जीवन में ना केवल आर्थिक स्थिरता आई है, बल्कि मिशन के योगदान से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ी है।

बिशनाह मंडल में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बैठक आयोजित

जम्मू, 7 अगस्त। जम्मू बॉर्डर जिला के बिशनाह मंडल में आज आगामी हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्थानीय नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और प्रबल करने तथा आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री रिंकू चौधरी ने की। इस अवसर पर बिशनाह के विधायक श्री राजीव भगत जी, मंडल अध्यक्ष श्री सुमित सादोत्रा जी, महामंत्री श्री अशोक वृद्धि जी, श्री सुरजीत सिंह जी, उपाध्यक्ष श्री राजीव शर्मा जी सहित मंडल के अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने

हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया और क्षेत्र के प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार की योजना बनाई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्कूल, पंचायत घरों, और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर देशभक्ति के संदेश को जनमानस तक पहुँचाया जाएगा।

जाविद डार ने वाटरशेड विकास में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आईडब्ल्यूएमपी पोर्टल लॉन्च किया

श्रीनगर 07 अगस्त। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव विभाग मंत्री जाविद अहमद डार ने श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम की आधिकारिक वेबसाइट लॉन्च की। इस लॉन्च कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग की आयुक्त/सचिव बबीला रकवाल, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव पीयूष सिंगला, आईडब्ल्यूएमपी, जम्मू-कश्मीर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश कुमार और अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर, मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि आईडब्ल्यूएमपी वेबसाइट का लॉन्च जम्मू-कश्मीर में वाटरशेड विकास में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रयासों में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल वाटरशेड हस्तक्षेपों पर वास्तविक समय में अपडेट प्राप्त करने में सक्षम होगा, जिससे नागरिक जमीनी स्तर पर प्रगति पर नज़र रख सकेंगे, संसाधनों के उपयोग की निगरानी कर सकेंगे और सुधार के क्षेत्रों की पहचान कर सकेंगे। डार ने कहा, तालाबों और जलाशयों के मानचित्रण से लेकर प्रत्येक जलग्रहण क्षेत्र में हस्तक्षेपों का विवरण देने तक, आईडब्ल्यूएमपी पोर्टल जलवायु-अनुकूल विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो दूरस्थ पंचायतों तक भी पहुँचता है।

रक्षाबंधन पर उत्तर प्रदेश में महिलाओं और सहयात्रियों के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा

लखनऊ, 7 अगस्त: रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की महिलाओं के लिए एक विशेष सौगात की घोषणा की है।

नगर विकास विभाग के अंतर्गत नगरीय परिवहन निदेशालय द्वारा संचालित सिटी बसों में महिलाओं और उनके साथ यात्रा करने वाले एक सहयात्री के लिए निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। यह सुविधा 8 अगस्त 2025 की सुबह 6-00 बजे से शुरू होकर 10 अगस्त 2025 की रात 12:00 बजे तक लागू रहेगी।

इस पहल का उद्देश्य रक्षाबंधन के त्योहार को और अधिक उत्साहपूर्ण और समावेशी बनाना है। विगत वर्षों में यह सुविधा केवल रक्षाबंधन के दिन महिलाओं तक सीमित थी, लेकिन इस वर्ष इसे तीन दिनों तक विस्तारित किया गया है। साथ ही, इस बार पहली बार महिलाओं के साथ यात्रा करने वाले एक सहयात्री को भी निःशुल्क यात्रा का लाभ मिलेगा। यह कदम खासकर उन परिवारों के लिए मददगार साबित होगा, जो इस पर्व पर अपने प्रियजनों से मिलने के लिए यात्रा करते हैं।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय न केवल रक्षाबंधन के पर्व को और अधिक विशेष बनाएगा, बल्कि महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराकर उनके सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह सुविधा महिलाओं और उनके सहयात्रियों को त्योहार के दौरान अपने परिवार और रिश्तेदारों से मिलने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

इस योजना के तहत नगरीय परिवहन निदेशालय ने सभी संबंधित बस ऑपरेटरों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अवधि के दौरान निर्बाध और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें। यह सुविधा प्रदेश के विभिन्न शहरों में संचालित सिटी बसों पर लागू होगी, जिससे महिलाओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी।

यह पहल न केवल रक्षाबंधन के उत्सव को और अधिक हर्षोल्लासमय बनाएगी, बल्कि सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुलभ और महिलाओं के लिए अनुकूल बनाकर सामाजिक समावेशन को भी बढ़ावा देगी।

परमात्मा व प्रकृति की कृपा वाले उत्तर प्रदेश में अन्नदाता को सर्वोपरि मानती है योगी सरकार

लखनऊ, 7 अगस्त: परमात्मा व प्रकृति की कृपा वाले उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अन्नदाता किसानों को सर्वोपरि मानती है, इसलिए उनके उत्थान व समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। किसानों के हित में योगी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले आठ वर्ष में अभूतपूर्व कार्य किए। गौरतलब है कि देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी यूपी में है, जिस पर देश का 20 फीसदी से अधिक खाद्यान्न उत्पादन हो रहा है। 2017 में सरकार की कमान संभालने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये माफ किया। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की दिशा में हो रहे प्रयास में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही नहीं, पहली बार रबी फसल में किसानों से एमएसपी पर मक्का खरीद की गई।

पिछली सरकारों की मक्कारी पर इस सरकार में किसानों का मक्का भी भारी पड़ा। किसान मक्का की खेती से लाखों की आमदनी कर रहे हैं। केंद्र सरकार के नेतृत्व में पहली बार हुआ कि कृषि वैज्ञानिक लैब से निकलकर लैंड तक पहुंचे।

विश्व की सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में शामिल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के किसानों को मिल रहा है। अभी तक इसकी 20 किस्त जारी हो चुकी है। इसमें यूपी के लगभग ढाई करोड़ किसानों के खाते में 90 हजार करोड़ से अधिक रुपये भेजे गए हैं। यदि काशी की बात करें तो यहां के किसानों को करीब 900 करोड़ रुपये मिले हैं।